राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

प्राइम युवा लहर

P.R.G.I.No.UPHIN/26/A9036

लखनऊ से प्रकाशित



वर्ष : 01 अंक : 08 | लखनऊ, रविवार 08 नवम्बर 2026 | पृष्ठ – 08 मूल्य – 2/ रूपया

एक नजर में....

मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू झांसी से गिरफ्तार, करीबी भी पकड़ा गया

देहरादून उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे के बाद से फरार उनके पति गिरधारी लाल साहू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी शनिवार को एक अधिकारी ने दी। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने यहां बताया कि साहू को मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने उत्तर प्रदेश के झांसी से शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। उनके अलावा, उनके एक करीबी सतेंद्र राठौर को उत्तर प्रदेश के बरेली से गिरफ्तार किया गया। प्रदेश की महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री आर्य द्वारा मारपीट, धोखाधड़ी, जातिसूचक टिप्पणियां करने तथा हत्या की साजिश रचने जैसे गंभीर आरोपों में 15 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद से साहू फरार थे। साहू के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया था जिसके बाद पुलिस उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अनेक स्थानों पर दबिश दे रही थी। आर्य ने देहरादून के कैंट थाने में दर्ज कराई गई अपनी प्राथमिकी में कहा था कि साहू ने अपनी पहली शादी और बच्चों की बात छिपाकर उनसे 2004 में शादी की थी और उन्हें यह बात उनके अपने बच्चों के जन्म के बाद पता चली। उन्होंने अपने पति पर स्टाफ कर्मियों के सामने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने तथा उनकी कंपनियों से उन्हें षड्यंत्र करके बाहर करने का भी आरोप लगाया था।

महाराष्ट्र एटीएस की बड़ी कार्रवाई, ठाणे के ठाकुर्ली से 10 लाख के इनामी नक्सली को किया गिरफ्तार

ठाणे महाराष्ट्र एटीएस ने कार्रवाई करते हुए ठाणे जिले के ठाकुर्ली इलाके से एक नक्सली को गिरफ्तार किया है। यह नक्सली झारखंड के जंगलों का रहने वाला है। सूत्रों ने बताया कि यह पिछले 10 दिनों से ठाकुर्ली में रह रहा था। इस नक्सली पर 10 लाख रुपये का इनाम झारखंड सरकार ने रखा था। आरोपी को शनिवार को एटीएस कोर्ट में पेश करेगी। गिरफ्तार नक्सली का नाम संजय सरोज यादव उर्फ संजय गोदराय उर्फ बुधराम है। इसकी उम्र 45 साल है। यह नक्सली यहां क्यों और किस मकसद से आया था, इसकी जांच की जा रही है। एटीएस यह पता लगाने में जुटी है कि क्या वह ठाकुर्ली में किसी संपर्क में था, क्या किसी संगठन के लिए काम कर रहा था या फिर यहां छिपने के इरादे से आया था। पिछले 10 दिनों में उसकी गतिविधियों और मिलने–जुलने वाले लोगों की भी जांच हो रही है। इससे पहले 24 अक्टूबर को, महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने मुंबई के माहिम इलाके से 33 वर्षीय एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया था।

अवकाश सूचना

समस्त पाठको वितरको व विज्ञापन दाताओं को सूचित किया जाता है कि प्रकाश पर्व दीपावली के अवसर पर 8 और 9 नवंबर को प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा अतः अगला अंक पुनः की भांति नियमित समय पर 10 नवंबर मंगलवार को प्रकाशित होगा ।

संपादक

राजनाथ सिंह ने जवानों संग मनाई दिवाली, अग्निवीरों को दिया बड़ा तोहफा



नयी दिल्ली रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिवाली के एक दिन पहले पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले स्थित बागडोगरा एयरफील्ड में भारतीय सेना और वायुसेना के जवानों के साथ त्योहार मनाया। इस दौरान उन्होंने सैनिकों को मिठाइयां बांटीं और उनके साहस, समर्पण तथा देश के प्रति त्याग की सराहना की। जवानों से बातचीत के दौरान रक्षा मंत्री ने अग्निपथ योजना में किए गए अहम बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने शेष 75 प्रतिशत अग्निवीरों को उनकी इच्छा और निर्धारित मानदंडों के आधार पर दो साल का अतिरिक्त सेवा कार्यकाल देने के फैसले को दिवाली का बड़ा तोहफा बताया। जवानों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि अग्निपथ योजना के तहत सेवा पूरी करने वाले शेष 75 प्रतिशत अग्निवीरों को उनकी इच्छा के आधार पर दो साल का एक और कार्यकाल देने का महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। इससे उन्हें देश की सेवा जारी रखने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाले अग्निवीरों को नियमित सैनिक के रूप में सेना में शामिल होने का अवसर भी मिलेगा। उन्होंने इस फैसले को अग्निवीरों के लिए दिवाली का बड़ा उपहार बताते हुए कहा कि इससे युवाओं को सेना में सेवा करने का एक और मौका मिलेगा। दिवाली के मौके पर सैनिकों के बीच पहुंचे रक्षा मंत्री ने उनके त्याग और समर्पण की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के समय हर किसी को अपने परिवार और घर की याद आती है, लेकिन देश के जवान इन भावनाओं को अपने भीतर समेटकर सीमाओं और सुरक्षा मोर्चों पर पूरी तत्परता से डटे रहते हैं।

लखनऊ में दीपावली की रौनक, बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भीड़

दुकानदारों के चेहरों पर लौटी मुस्कान, रोशनी और खुशियों से जगमगाए बाजार

लखनऊ। दीपावली के पावन पर्व पर राजधानी लखनऊ के बाजारों में खुशियों और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। चौक, अमीनाबाद, हजरतगंज और आसपास के बाजार रंग–बिरंगी लाइटों, सजावटी सामान, मिठाइयों, कपड़ों और दीपों से जगमगा उठे हैं। बाजारों में खरीदारी करने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। कोई अपने परिवार के लिए नए कपड़े खरीद रहा है तो कोई घर सजाने के लिए दीप, झालर और रंग–बिरंगी लाइटें पसंद कर रहा है। मिठाई और गिफ्ट की दुकानों पर भी ग्राहकों की अच्छी चहल–पहल देखने को मिल रही है। दीपावली के इस खास अवसर पर दुकानदारों के चेहरों पर भी खुशी साफ दिखाई दे रही है। व्यापारियों का कहना है कि त्योहार के चलते बाजारों में रौनक बढ़ी है और ग्राहकों की आवाजाही से कारोबार में उत्साह देखने को मिल रहा है। दुकानदारों को उम्मीद है कि दीपावली का यह त्योहार उनके व्यापार के लिए खुशहाली और समृद्धि लेकर आएगा। दीपावली सिर्फ रोशनी का त्योहार नहीं, बल्कि व्यापार, खुशियों, आपसी प्रेम और भाईचारे का भी प्रतीक है

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का ऐलान, सीएए के सभी पात्र आवेदकों को 31 दिसंबर तक मिलेगी नागरिकता



अरनघाटा पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने वादा किया कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत सभी पात्र आवेदकों को नागरिकता देने की प्रक्रिया 31 दिसंबर तक पूरी कर ली जाएगी। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार ने कानून को लागू करने में सहयोग नहीं किया, जिसके कारण हजारों आवेदन लंबित रह गए। अधिकारी ने शुक्रवार को नादिया जिले के अरनघाटा में काली पूजा पंडाल का उद्घाटन करते हुए कहा कि नादिया और पड़ोसी उत्तर 24 परगना जिले में करीब 2.5 लाख आवेदन लंबित हैं। ये दोनों जिले बांग्लादेश की सीमा से लगे हैं और यहां बांग्लादेश से आकर बसे लोगों की बड़ी आबादी है। उन्होंने कहा, सीएए के तहत सभी पात्र आवेदनों का निपटारा 31 दिसंबर तक कर दिया जाएगा। कोई भी पात्र आवेदक छूटेगा नहीं और निर्धारित समयसीमा के भीतर नागरिकता प्रमाणपत्र जारी कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने इस प्रक्रिया में तेजी लाने की जिम्मेदारी ली है और लंबित आवेदनों का निपटारा करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, जिलाधिकारियों को गृह विभाग के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वहीं, आवेदन के सत्यापन की निगरानी और समय पर उनका निपटारा सुनिश्चित करने के लिए उपमंडल अधिकारियों (एसडीओ) को सुनवाई करने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

ई-20 पेट्रोल के नाम पर हो रहा फ्रॉड? राहुल गांधी का दावा, 20% से ज्यादा मिल रहा एथेनॉल, जनता को हो रहा नुकसान



नयी दिल्ली कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ई–20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में ई–20 पेट्रोल के नाम पर जनता के साथ धोखा किया जा रहा है और पेट्रोल में निर्धारित 20 प्रतिशत से ज्यादा एथेनॉल मिलाया जा रहा है। राहुल गांधी ने इसे 420 करार देते हुए कहा कि महंगे पेट्रोल के पैसे वसूलने के बावजूद वाहन चालकों को उनकी गाड़ियों के लिए सही ईंधन नहीं मिल रहा है। राहुल गांधी ने कर्नाटक सरकार की ओर से पेट्रोल के नमूनों की कराई गई लैब जांच का हवाला देते हुए दावा किया कि 14 में से 11 सैंपल में एथेनॉल की मात्रा 20 प्रतिशत से अधिक पाई गई है। उन्होंने इस जांच रिपोर्ट को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा कर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। राहुल गांधी के मुताबिक, कर्नाटक सरकार ने राज्य के सात जिलों से पेट्रोल के नमूने एकत्र कर मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में उनकी जांच कराई थी। जांच के नतीजे केंद्र सरकार के निर्धारित मानक से अलग बताए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के एक सैंपल में 31.2 प्रतिशत और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सैंपल में 30.5 प्रतिशत एथेनॉल पाया गया। राहुल ने सवाल उठाया कि जब सरकार ई20 पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल होने की बात कहती है, तो जांच में इससे अधिक मात्रा कैसे सामने आ रही है? कांग्रेस नेता ने आईओसीएल, एचपीसीएल, बीपीसीएल, नायरा और शेल जैसी पेट्रोलियम कंपनियों पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि सरकारी और निजी कंपनियों के पेट्रोल में निर्धारित सीमा से अधिक एथेनॉल मिलाया जा रहा है।राहुल गांधी ने कहा कि कंपनियों की ओर से प्रयोगशाला रिपोर्ट में एथेनॉल की मात्रा स्पष्ट नहीं की गई। ऐसे में आम उपभोक्ता को यह जानकारी नहीं मिल पाती कि वह अपनी गाड़ी में किस गुणवत्ता का ईंधन भरवा रहा है।

मसौदा मतदाता सूची से बाहर लोगों को मिलेगा दोबारा मौका, 7 राज्यों में घर-घर जाएंगे बीएलओ



नयी दिल्ली मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मसौदा सूची से बाहर रह गए मतदाताओं को चुनाव आयोग ने एक और मौका देने का फैसला किया है। आयोग ने दिल्ली, हरियाणा, झारखंड समेत सात राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ऐसे मतदाताओं को अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। इस अभियान के तहत बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर–घर जाकर छूटे मतदाताओं से संपर्क करेंगे और उन्हें गणना फार्म भरने का अवसर देंगे। यह पहल उन मतदाताओं के लिए भी लागू होगी, जिन्हें गणना फार्म दिया गया था, लेकिन निर्धारित समय में फार्म वापस नहीं मिला। ऐसे लोगों का नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका था। आयोग ने निर्देश दिया है कि बीएलओ इन मतदाताओं से संपर्क कर फार्म जमा कराने में मदद करें। साथ ही उनसे यह भी पूछा जाएगा कि वे पहले गणना फार्म क्यों नहीं भर पाए थे। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को दिल्ली, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, तेलंगाना और नगालैंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए। आयोग ने कहा है कि मसौदा सूची से बाहर रह गए मतदाताओं को अंतिम सूची में शामिल करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जाएं। इन राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान ऐसे मतदाताओं को अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरे मतदाता के रूप में चिह्नित किया गया है। आयोग के निर्देश के अनुसार, बीएलओ घर–घर जाकर उनकी स्थिति की जांच करेंगे और पात्र मतदाताओं को गणना फार्म भरने का अवसर देंगे। इसके अलावा, छूटे हुए मतदाताओं तक पहुंचने के लिए वाट्सएप, ईमेल और एसएमएस का भी इस्तेमाल किया जाएगा। आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र मतदाता केवल गणना फार्म जमा नहीं कर पाने के कारण अंतिम सूची से बाहर न रह जाएं।

जबलपुर में आग लगने से झुग्गी-बस्ती के 50 से ज्यादा घर जलकर खाक, कई परिवार बेघर



जबलपुर मध्य प्रदेश के जबलपुर में आग लगने से झुग्गी–बस्ती के 50 से ज्यादा घर जलकर खाक हो गए हैं, जिससे कई परिवार बेघर हो गए है। अधिकारियों की ओर से जानकारी दी गई है कि शनिवार तड़के जिले के गाजी नगर इलाके में एक झुग्गी बस्ती में भीषण आग लग गई। इस घटना में 50 से अधिक झुग्गियां जलकर खाक हो गईं और कई परिवार बेघर हो गए। पुलिस के अनुसार, अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग तड़के करीब 2 बजे गोहलपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत लेमा गार्डन के पास स्थित झुग्गी बस्ती में लगी। आग की लपटें तेजी से फैलीं और आसपास की कई झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लोगों का घरेलू सामान, अनाज, कपड़े और अन्य जरूरी चीजें जलकर नष्ट हो गईं। दमकल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस कंट्रोल रूम को तड़के करीब 2 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके तुरंत बाद कई दमकल गाड़ियां और पानी के टैंकर मौके पर भेजे गए। फायर फाइटर ओम प्रकाश अहिरवार ने बताया कि सूचना मिलते ही आग बुझाने और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। उन्होंने कहा, ष्पुलिस कंट्रोल रूम को रात 2 बजे सूचना मिली कि गाजी नगर की झुग्गियों में आग लग गई है। हमने तुरंत दमकल गाड़ियां और पानी के टैंकर भेजे और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिसकर्मियों, दमकल विभाग की टीमों और बिजली विभाग के अधिकारियों ने मिलकर इस आपातकालीन अभियान को अंजाम दिया। मौके पर करीब 8 से 9 दमकल गाड़ियां तैनात की गईं, जबकि एहतियात के तौर पर एंबुलेंस भी वहां मौजूद थीं। डीएसपी अखिलेश गौर ने बताया कि आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

आपातकाल पर सोनिया गांधी ने किया इंदिरा गांधी का बचाव, बोलीं, सब संवैधानिक रूप से हुआ, मोदी सरकार पर भी साधा निशाना



नयी दिल्ली कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 1975 में लगाए गए आपातकाल को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक लगाई गई थी और बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) का अधिकार भी निलंबित किया गया था, लेकिन यह सब संवैधानिक तरीके से किया गया था। वहीं, सोनिया गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में देश के लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को गंभीर नुकसान पहुंचा है। अंग्रेजी अखबार द हिंदू को दिए इंटरव्यू में सोनिया गांधी ने आपातकाल, मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों और अपनी आने वाली संस्मरण पुस्तक बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लवश को लेकर विस्तार से बात की। साल 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू किया था, जो करीब 21 महीने तक चला। इस दौरान नागरिकों के कई लोकतांत्रिक अधिकार सीमित कर दिए गए थे। सोनिया गांधी ने कहा कि उन्हें आपातकाल के बाद ही पता चला कि उस समय वास्तव में क्या हो रहा था और परिस्थितियां कितनी गंभीर थीं। उन्होंने स्वीकार किया कि लोकतांत्रिक अधिकारों पर पाबंदी लगाई गई थी, लेकिन उनका कहना है कि आपातकाल से जुड़े फैसले संवैधानिक प्रावधानों के तहत लिए गए थे। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि उस समय देश में हिंसक प्रदर्शन हो रहे थे। सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक परिवहन को नुकसान पहुंचाया जा रहा था। उनके मुताबिक, नौकरशाही और सशस्त्र बलों से भी सरकारी आदेशों की अवहेलना करने की अपील की गई थी। इंदिरा गांधी इन बिगड़ती परिस्थितियों से निपटने की कोशिश कर रही थीं। सोनिया गांधी ने कहा कि आपातकाल से जुड़े विवाद का समाधान आखिरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए ही निकला। उन्होंने याद दिलाया कि इंदिरा गांधी ने परिस्थितियों को समझते हुए मार्च 1977 में आम चुनाव कराने का फैसला किया था।

संक्षिप्त खबरें

अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर होने वाले कार्यक्रम का जायजा लेने पहुंचे सतीश चंद्र मिश्रा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) 6 दिसंबर को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ के अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर विशाल श्रद्धा–सुमन समारोह आयोजित करेगी। इसकी तैयारियों का जायजा लेने शुक्रवार को बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे। पार्टी महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने स्मारक परिसर में साफ–सफाई और कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान पार्क की जर्जर हालत देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने वीसी को फोन कर स्मारक की स्थिति की जानकारी दी और व्यवस्थाओं पर ध्यान देने को कहा। 6 दिसंबर के कार्यक्रम की घोषणा के बाद बसपा नेताओं का यह दौरा तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सतीश चंद्र मिश्रा के साथ विश्वनाथ पाल, घनश्याम खरवार, भीमराव अंबेडकर, विजय प्रताप और मेवालाल गौतम समेत पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। 5 नवंबर को मायावती ने यूपी प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में 6 दिसंबर के कार्यक्रम का ऐलान किया है। मायावती की ये रैली इंडिया गठबंधन के दिल्ली में आयोजित 1 नवंबर की रैली और 26 नवंबर को चंद्रशेखर की प्रस्तावित रैली का जवाब मांगा जा रहा है। मायावती इस रैली में रिकॉर्ड तोड़ भीड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए उन्होंने प्रदेश पदाधिकारियों से संकल्प लिया था। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल के मुताबिक इस बार हम पूरे लखनऊ को नीले झंडे से पाट देंगे। बसपा के इतने कार्यकर्ता लखनऊ आएंगे कि सिर्फ पूरे शहर में वो ही दिखेंगे।

डीबीएस मोंटेसरी स्कूल में बाल मेले का आयोजन

लखनऊ। राजधानी के इंदिरा नगर स्थित डीबीएस मोंटेसरी स्कूल में बाल मेले का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 1 से 12 तक के छात्र–छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मेले में बच्चों की ओर से लगाए गए विभिन्न स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। छोटे और बड़े सभी विद्यार्थियों ने मिलकर हैंडीक्राफ्ट, किताबों, पेन और खाने–पीने की वस्तुओं के स्टॉल लगाए। इसके अलावा मनोरंजक खेलों के स्टॉल भी सजाए गए। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ टीम वर्क, व्यापार और प्रबंधन से जुड़ी जानकारी हासिल करने का अवसर मिला। बच्चों ने स्टॉल के संचालन, सामान की बिक्री और ग्राहकों से बातचीत जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में अभिभावकों ने भी भागीदारी की। उन्होंने बच्चों के स्टॉल से खरीदारी कर उनका उत्साह बढ़ाया। पढ़ाई की नियमित दिनचर्या से अलग आयोजित इस मेले में बच्चों को अपनी रचनात्मकता और कार्यक्षमता दिखाने का अवसर मिला। मेले में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की भागीदारी रही। विद्यालय परिवार की ओर से आयोजन में सहयोग करने वाले सभी बच्चों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया गया।

पर्यटन मंत्री ने दीपावली पर प्रदेशवासियों को दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दीपावली के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि की मंगल कामना की है। दीपावली की पूर्व संध्या पर दिये गये संदेश में उन्होंने कहा है कि यह पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं गौरवशाली इतिहास का हिस्सा है। इस पर्व पर पूरे देश एवं विदेश में दीपक जलाकर हर भारतवासी एक दूसरे को बधाई देते हैं। त्रेतायुग में भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन पर अयोध्यावासियों ने दीप प्रज्जवलित कर खुशियां मनायी थीं। दीपावली का पर्व हमारी सनातन संस्कृति का जीवन्त प्रमाण है। राज्य सरकार इस अवसर पर अयोध्या में 30 लाख दीये जलाकर सनातन संस्कृति की ज्योति को और उद्यमान कर रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत भी बना रही है।

स्कॉर्पियो डीसीएम में पीछे से घुसी, युवक की मौत,5 लोग घायल

लखनऊ। राजधानी के सरोजनीनगर में शुक्रवार तड़के भीषण हादसा हो गया। एक स्कॉर्पियो आगे चल रही डीसीएम में पीछे से घुस गई। हादसे में स्कॉर्पियो में सवार एक युवक की मौत हो गई। 5 लोगों की हालत गंभीर है। टक्कर इतनी भीषण थी कि डीसीएम के पिछले 4 चक्के गाड़ी से अलग होकर बाहर निकल गए। स्कॉर्पियो सवार लोग झांसी से अपने घर देवरिया के लिए लौट रहे थे। स्कॉर्पियो में कुल 6 लोग सवार थे। 5 का इलाज लोकबंधु अस्पताल में चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, देवरिया जिले के सलेमपुर थाना क्षेत्र के शंकर नगर मझौली निवासी हिमांशु (22), किशोर कुमार (25), सुधीर (23), सतीश (24), हीरा (25) और अच्छे लाल (27) स्कॉर्पियो से झांसी से अपने घर लौट रहे थे। वे कानपुर एक्सप्रेसवे से जा रहे थे। स्कॉर्पियो किशोर कुमार चला रहा था। शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे वे सरोजनीनगर में दरोगा खेड़ा के पास एलिवेटेड एक्सप्रेसवे से उतरकर कानपुर रोड पर पहुंचे। इसी दौरान स्कॉर्पियो आगे जा रही डीसीएम में पीछे से घुस गई। टक्कर के बाद स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी लोग अंदर फंस गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी।

जलनिगम संघर्ष समिति ने दीपावली बोनस दिए जाने के फैसले का किया स्वागत

लखनऊ। जलनिगम संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री की ओर से प्रदेश के कर्मचारियों को दीपावली पर बोनस दिए जाने के फैसले का स्वागत किया है। समिति के संयोजक वाईएन उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता को हमेशा अपना परिवार माना है, लेकिन नौकरशाहों की कार्यप्रणाली ने जलनिगम को प्रदेश से बाहर के निगम जैसी स्थिति में पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से जलनिगम परिवार के लिए न तो दीपावली आई और न ही होली। इस दौरान कर्मचारियों को कभी बोनस या एक्सग्रेसिया नहीं मिला। उन्होंने महंगाई भत्ते का मुद्दा उठाते हुए कहा कि छठे वेतनमान के अनुसार 262 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलना चाहिए, जबकि कर्मचारियों को केवल 212 प्रतिशत ही दिया जा रहा है। समिति ने कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की मांग की है।

व्यापारी से हुई 1.50 करोड़ रुपए की लूट के पांच आरोपी गिरफ्तार



लखनऊ। राजधानी के आशियाना इलाके में एक व्यापारी से हुई 1.50 करोड़ रुपए की लूट का पुलिस ने खुलासा किया है। क्राइम ब्रांच की टीम ने ऑपरेशन क्लीन के तहत इस वारदात में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान आशियाना पुलिस भी मौजूद रही। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटी गई रकम में से 1 करोड़ 23 लाख रुपए नकद बरामद कर लिए हैं। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल बाइक, लूट के पैसों से खरीदी गई एसयूवी कार और अन्य सामान भी जब्त किया गया है। पकड़े गए आरोपियों में दो लखनऊ और तीन गुजरात से दबोचे गए हैं। यह घटना 24 अक्टूबर 2026 को हुई थी। गुजरात के मेहसाणा के रहने वाले व्यापारी अमृत कुमार अपनी कारोबारी जरूरत के लिए भारी मात्रा में नकदी लेकर लखनऊ आए थे। 24 अक्टूबर को आशियाना थाना क्षेत्र के औरंगाबाद अंडरपास के पास बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया और 1 करोड़ 50 लाख रुपये लूट लिए। पीड़ित व्यापारी की शिकायत पर 25 अक्टूबर को आशियाना थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। दिनदहाड़े हुई इस बड़ी वारदात से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी (मध्य) के निर्देश पर आशियाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें लगाई गईं। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी सर्विलांस व साक्ष्यों के आधार पर बदमाशों तक पहुंची। जांच में सामने आया कि इस वारदात को बेहद शातिर तरीके से सुनियोजित साजिश के तहत अंजाम दिया गया था, जिसमें अलग–अलग जगहों के अपराधी शामिल थे। पुलिस ने छापेमारी कर कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसमें लखनऊ से सुमित यादव उर्फ कल्लू निवासी फिरोजाबाद और सत्यम निवासी मैनपुरी, गुजरात से जय कुमार पटेल, यश कुमार और प्रज्ञेश कुमार को पकड़ा गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सामान बरामद किया है। इसमें 1 करोड़ 23 लाख रुपये नकद, वारदात में इस्तेमाल हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल, लूट की रकम से खरीदी गई पल्सर बाइक और एक एसयूवी कार, एक 315 बोर का तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। जिसमें कई मोबाइल फोन और एक आईफोन शामिल है। पुलिस पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं। मुख्य आरोपी सुमित यादव उर्फ कल्लू के खिलाफ विभिन्न जिलों में लूट, चोरी और आर्म्स एक्ट के तहत 5 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, दूसरे आरोपी सत्यम के खिलाफ भी लूट, चोरी और आर्म्स एक्ट के 3 मुकदमे दर्ज मिले हैं। पुलिस अन्य फरार और संलिप्त लोगों की तलाश में जुटी है।

नाबालिग को ब्लैकमेल कर धर्म–परिवर्तन का दबाव बनाने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी के गुडम्बा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग को परेशान करने, ब्लैकमेल करने और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में एक बाल अपचारी को पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है। आरोपी युवक नाबालिग पर आते–जाते समय फब्तियां कसता था। परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस से की थी। 25 जून 2026 को गुडम्बा थाने में एक महिला ने तहरीर दी थी कि कुछ लोग उनकी नाबालिग बेटी को स्कूल आने–जाने के दौरान परेशान करते हैं, उस पर फब्तियां कसते हैं और डराते–धमकाते हैं। पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। जांच के दौरान पीड़िता ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि आरोपी उसे फोटो और वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर रहा था। उस पर हिंदू धर्म छोड़कर मुस्लिम धर्म अपनाने और शादी करने का दबाव बनाया जा रहा था। इसके बाद पुलिस ने मुकदमे में एंटी–कनवर्जन लॉ की धाराएं भी बढ़ा दीं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो चालक की मौत

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो चालक राम लखन (42) की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, उन्नाव जिले के सोहरामऊ थाना क्षेत्र के लालपुर निवासी राम लखन ऑटो चलाते थे। शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे वह ऑटो लेकर घर से निकले थे। वह सरोजनीनगर की ओर जाने के लिए बंथरा में शिवपुरा के पास कानपुर एलिवेटेड एक्सप्रेसवे पर चढ़े थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उनके ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में राम लखन घायल हो गए। उन्हें पास के जुनाबगंज स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने उनके परिजनों को सूचना दी। परिजन अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक राम लखन की मौत हो चुकी थी।

डॉ. दिनेश शर्मा ने किया मौलाना अतहर की पुण्यतिथि पर फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन

लखनऊ। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के संस्थापक अध्यक्ष मौलाना मिर्जा मोहम्मद अतहर की 10वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को शिया डिग्री कॉलेज के नक्खास परिसर में फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। वन वॉयस ट्रस्ट की ओर से आयोजित इस प्रदर्शनी में मौलाना अतहर के धार्मिक, सामाजिक और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। उद्घाटन समारोह में डॉ. दिनेश शर्मा ने मौलाना अतहर से जुड़ी यादें साझा कीं। उन्होंने कहा कि मौलाना अतहर को सभी धर्मों और समुदायों के लोग सम्मान देते थे। उन्होंने हमेशा इंसानियत और आपसी एकता का संदेश दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि किसी भी धर्म में कट्टरता समाज के हित में नहीं है। उन्होंने लखनऊ में ईद और मोहर्रम से जुड़ी यादें भी साझा कीं। बताया कि ईद पर मुबारकबाद देने का सिलसिला वह मौलाना अतहर के घर से शुरू करते थे। महापौर रहते हुए हुसैनाबाद में बड़ा इमामबाड़ा और छोटा इमामबाड़ा के बीच की सड़क का नाम बदलकर 'अजादारी रोड' रखा था। मोहर्रम के दौरान शहर में नागरिक सुविधाओं की व्यवस्था भी कराई जाती थी। मौलाना अतहर के पुत्र और ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि उनके पिता ने मुंबई में लगातार 58 वर्षों तक मजलिसों को खिताब किया। उन्होंने पैगंबर–ए–इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब और उनके अहलेबैत की शिक्षाओं को लोगों तक पहुंचाया। प्रदर्शनी के आयोजक एसएन लाल और आजम हुसैन ने कहा कि मौलाना अतहर की सादगी और तकरीर की शैली से प्रेरित होकर यह आयोजन किया गया। मौलाना डॉ. एजाज अतहर ने कहा कि उनकी तकरीरों ने दुनिया भर के लोगों को प्रभावित किया और उन्हें धर्म के वास्तविक संदेश को समझने में मदद की। इस अवसर पर मौलाना जाहिद अहमद, मौलाना साइम मेहदी, मौलाना मूसा रिजवी, मौलाना अबू इफ्तेखार जैदी, मौलाना जाफर अब्बास और मौलाना अनवर हुसैन सहित कई धर्मगुरु मौजूद रहे।

व्यापारी दीपावली पर स्वदेशी सामान अपनाएंगे : संदीप बंसल

लखनऊ। राजधानी में दीपावली बाजार से लेकर घर तक स्वदेशी का रंग दिखेगा। व्यापारी इस बार विदेशी सामानों से दूरी बनाकर भारतीय उत्पादों से दीपावली मनाने की तैयारी कर रहे हैं। साथ ही, घरों और बाजारों में पूजित मूर्तियों को सड़कों और नदियों में फेंकने के बजाय सम्मानपूर्वक विसर्जित करने की पहल भी की जाएगी। इसके लिए मंगलमान अभियान के तहत मूर्ति एकत्रीकरण केंद्र बनाए जा रहे हैं। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री संदीप बंसल ने विधायक निवास स्थित दारू सभा में पत्रकार वार्ता में बताया कि संगठन की वर्चुअल बैठक में इस बार स्वदेशी मंगलमान दीपावली मनाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत दैनिक उपयोग से लेकर दीपावली की सजावट और पूजन तक भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता दी जाएगी। विदेशी सामानों का इस्तेमाल नहीं करने का संकल्प लिया गया है। संदीप बंसल ने बताया कि मंगलमान अभियान के तहत लखनऊ समेत देशभर में पूजित मूर्तियों का सम्मानपूर्वक विसर्जन कराया जाएगा। लखनऊ में इसके लिए विशेष केंद्र स्थापित किए गए हैं। साथ ही एक ऐप तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से शहरवासी अपने घर, मोहल्ले और बाजार के आसपास मूर्ति एकत्रीकरण केंद्र की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अभियान के संयोजक डॉ. रामकुमार तिवारी ने बताया कि कोई भी लखनऊवासी इस पहल से जुड़कर अपने घर या बाजार के आसपास मूर्ति एकत्रीकरण केंद्र स्थापित कर सकता है। यहां नगर निगम की ओर से मूर्तियां एकत्रित कर उनका ससम्मान विसर्जन कराया जाएगा। संदीप बंसल ने अपील की कि जिन मूर्तियों की वर्षभर पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है, उन्हें सड़कों, मैदानों और नदियों में न डालें। मंगलमान अभियान के माध्यम से इनका सम्मानपूर्वक एकत्रीकरण और विसर्जन सुनिश्चित किया जा रहा है।

डीसीपी दक्षिणी ने बाजारों में पैदल गश्त कर सुरक्षा परखी

लखनऊ। राजधानी के सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में धनतेरस, दीपावली, भाई दूज और छठ पूजा के मद्देनजर शुक्रवार को डीसीपी दक्षिणी मोहम्मद मुश्ताक ने पैदल गश्त की। उन्होंने गौरी और हाइडिल बाजार समेत भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। डीसीपी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को त्योहारों के दौरान सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रमुख बाजारों, दुकानों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने को कहा। उन्होंने प्रमुख चौराहों और जहां जाम लगने की आशंका है, वहां यातायात पुलिस की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को आने–जाने में परेशानी न हो। बाजारों और संवेदनशील जगहों पर लगातार पैदल गश्त करने और संदिग्ध लोगों व वाहनों की जांच करने को भी कहा। डीसीपी ने ज्वेलरी शॉप, बैंक और अन्य जरूरी प्रतिष्ठानों के आसपास सतर्कता रखने के निर्देश दिए। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मियों की सक्रिय मौजूदगी सुनिश्चित करने को भी कहा। गश्त के दौरान उन्होंने व्यापारियों और आम लोगों से बात कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने सुरक्षा का भरोसा दिलाया और पुलिसकर्मियों को मुस्तैदी से ड्यूटी करते हुए कानून–व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। इस मौके पर सरोजनीनगर प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम प्रजापति समेत कई उपनिरीक्षक और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

12 करोड़ की लागत से बनेगी आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी, महापौर ने किया भूमि पूजन और शिलान्यास

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम द्वारा शहर में शैक्षिक एवं सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना शुरू की जा रही है। अवस्थापना निधि के अंतर्गत जानकीपुरम प्रथम वार्ड में सेक्टर–एफ, इंजीनियरिंग कॉलेज के निकट 12 करोड़ की लागत से तीन मंजिला पब्लिक डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण कराया जाएगा। महापौर सुषमा खर्कवाल ने विधिवत भूमि पूजन एवं शिलान्यास कर परियोजना की शुरुआत की। शिलान्यास कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद निशा तिवारी, मंडल अध्यक्ष संजय तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, मंडल उपाध्यक्ष दिव्यांशी शुक्ला, अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, मुख्य अभियंता महेश वर्मा, पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान, मंच संचालक सौरभ तिवारी सहित नगर निगम के अधिकारी–कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। करीब एक एकड़ क्षेत्रफल में बनने वाली इस तीन मंजिला लाइब्रेरी को आधुनिक शैक्षिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें डिजिटल माध्यम से अध्ययन की सुविधा के साथ विभिन्न आयु वर्ग के लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलग–अलग स्थान तैयार किए जाएंगे। परियोजना के अंतर्गत बच्चों के लिए विशेष रीडिंग जोन और शैक्षिक एवं बौद्धिक गतिविधियों के लिए सेमिनार हॉल बनाया जाएगा। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग हॉल की व्यवस्था होगी। लाइब्रेरी में कैफेटेरिया तथा लगभग 50 वाहनों की पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।इस आधुनिक लाइब्रेरी के निर्माण से जानकीपुरम सहित आसपास के क्षेत्रों के छात्र–छात्राओं और युवाओं को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। डिजिटल संसाधनों के माध्यम से उन्हें ज्ञान एवं सूचना के विभिन्न माध्यमों तक पहुंच मिलेगी। वहीं, सेमिनार हॉल और अन्य सुविधाओं के माध्यम से शैक्षिक एवं सामुदायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस, इंजीनियरिंग कॉलेज और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के आसपास रहने वाले विद्यार्थियों को इस डिजिटल लाइब्रेरी से विशेष लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र–छात्राओं को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण, डिजिटल संसाधन और शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

महिला ने अपर्णा यादव से मिलकर आपबीती सुनाई

ग्राम प्रधान ने निर्वस्त्र कर पीटा,यौन हिंसा की, धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया

लखनऊ। सिद्धार्थनगर के खेसरहा थाना क्षेत्र के एक गांव में एक महिला के साथ तालिबानी बर्बरता की गई है। उसे जब पुलिस और स्थानीय स्तर पर कोई मदद नहीं मिली तो वह शुक्रवार को लखनऊ पहुंच गई। यहां महिला आयोग से गुहार लगाई। उसने आयोग उपाध्यक्ष अपर्णा यादव से मिलकर आपबीती सुनाई। पीड़िता ने महिला आयोग और पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती प्रार्थना–पत्र में आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान और उसके सहयोगियों ने उसके साथ बर्बरता की। रंजिश के चलते घर में घुसकर निर्वस्त्र किया। खंभे से बांधकर करीब 3 घंटे तक बेरहमी से पीटा। यौन हिंसा की। धर्म परिवर्तन के लिए कहा और ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के अनुसार, 27 अक्टूबर 2026 की सुबह करीब 7 बजे जब वह बच्चों को स्कूल भेजने की तैयारी कर रही थी, तभी गांव के प्रधान अहमद हुसैन, गनी, शमी, असलम, बदरुन्निशा, रिजवाना खातून समेत 20–25 लोग जबरन उसके घर में घुस आए। आरोप है कि आरोपियों ने उसके कपड़े फाड़कर उसे निर्वस्त्र कर दिया, बाल पकड़कर घसीटा और एक खंभे से बांधकर लगभग तीन घंटे तक लाठी–डंडों और लात–घूंसों से पीटा। बीच–बचाव करने आईं गांव की अन्य महिलाओं को भी आरोपियों द्वारा धमकाया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ग्राम प्रधान पूर्व में भी उसे प्रताड़ित करता रहा है। पीड़िता का आरोप है कि नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ बलात्कार किया गया, जिससे वह गर्भवती हो गई थी और बाद में जबरन दवा खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया गया। इस बार की घटना के दौरान उस पर धर्म परिवर्तन करने का भी दबाव बनाया गया और इनकार करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता ने स्थानीय पुलिस पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उसका कहना है कि थाने में दी गई उसकी मूल लिखित शिकायत को थानाध्यक्ष ने फाड़कर फेंक दिया। उसकी सहमति के बिना मनमाना विवरण दर्ज कर लिया गया और उल्टा उसके खिलाफ ही झूठी कार्रवाई कर दी गई। मेडिकल परीक्षण न होने के कारण पीड़िता को अपने शरीर पर आई चोटों के फोटो और वीडियो खुद सुरक्षित रखने पड़े हैं। पीड़िता का आरोप है कि 2 नवंबर 2026 को जब वह एसपी कार्यालय गईं तो वहां भी आरोपियों ने भीड़ जुटाकर मीडिया के सामने जान से मारने की खुली धमकियां दीं। पीड़िता ने उच्चाधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ सख्त एफआईआर दर्ज करने और अपनी व परिवार के लिए तत्काल पुलिस सुरक्षा की गुहार लगाई है।

पिकअप और बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत

लखनऊ। राजधानी के विभूतिखंड थाना क्षेत्र में पिकअप भवन के पास सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजन लोहिया अस्पताल पहुंचे, जहां दोनों मृतकों की पहचान हुई। आरिफ (उम्र करीब 18–20 वर्ष), पुत्र अनीश, निवासी गुलजार नगर, ऐशबाग और फैजू उम्र करीब 15 वर्ष, पुत्र खलील, निवासी गुलजार नगर, ऐशबाग के रहने वाले थे। हादसा लोहिया पार्क पुल के नीचे पिकप भवन के पास में सुबह करीब 10 बजे हुआ। मृतक पल्सर बाइक से सवार होकर ऐशबाग स्थित घर से अंबेडकर चौराहे की तरफ अपनी पेंटिंग की दुकान पर खाना देने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक सीएनजी वाहन को ओवरटेक करने के चक्कर में यह भयानक हादसा हुआ। दोनों युवक घरेलू पेंट का काम करते थे और साथ में ही काम पर जा रहे थे। घटना के बाद से मृतकों के परिवार में फिलहाल लोगों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

बलरामपुर पुलिस ने 40 लाख के फोन मालिकों को लौटाए



बलरामपुर। दीपावली के त्योहार पर बलरामपुर पुलिस ने 156 परिवारों को ऐसा तोहफा दिया, जिसकी उन्हें लंबे समय से उम्मीद थी। गुम हुए मोबाइल फोन की तलाश में जुटी साइबर सेल और सीईआईआर टीम ने करीब 35 से 40 लाख रुपये कीमत के 156 स्मार्टफोन बरामद किए हैं। इनमें आईफोन–16 और दो सैमसंग एस–25 अल्ट्रा जैसे महंगे मोबाइल भी शामिल हैं। शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे एसपी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे। लंबे समय बाद अपना खोया मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। जिले के अलग–अलग थाना क्षेत्रों से लगातार मोबाइल गुम होने की शिकायतें मिल रही थीं। इसे गंभीरता से लेते हुए एसपी ने गुमशुदा मोबाइलों की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद जनपदीय साइबर सेल, सर्विलांस सेल और सभी थानों की साइबर सेल व सीईआईआर टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई। एएसपी विशाल पांडेय ने बताया कि टीम ने भारत सरकार के संचार साथी पोर्टल के माध्यम से तकनीकी पड़ताल शुरू की। लगातार प्रयास और आपसी समन्वय से 156 स्मार्टफोन बरामद किए गए। इनकी अनुमानित कीमत 35 से 40 लाख रुपये है। बरामद मोबाइलों में एक आईफोन–16 और दो सैमसंग एस–25 अल्ट्रा जैसे प्रीमियम स्मार्टफोन भी शामिल हैं। शुक्रवार को एसपी ने सभी मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए। किसी का मोबाइल महीनों पहले गुम हुआ था तो किसी ने उसकी वापसी की उम्मीद छोड़ दी थी। फोन वापस मिलते ही लोगों की खुशी देखने लायक थी। खोया मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने पुलिस टीम का आभार जताया। कई लोगों के लिए मोबाइल की वापसी सिर्फ आर्थिक नुकसान की भरपाई नहीं थी, बल्कि उसमें सुरक्षित जरूरी संपर्क, तस्वीरें और यादें भी वापस मिल गईं। मोबाइल स्वामियों ने साइबर सेल और सीईआईआर टीम की कार्यशैली की सराहना की। एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने कहा कि गुमशुदा मोबाइल फोन की बरामदगी का अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि मोबाइल गुम होने पर तत्काल नजदीकी थाने में स्थापित साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराएं। इसके अलावा भारत सरकार के संचार साथी पोर्टल के माध्यम से भी ऑनलाइन शिकायत की जा सकती है। इस अभियान में जनपदीय साइबर सेल, सर्विलांस सेल और सभी थानों की साइबर सेल, हेल्प डेस्क तथा सीईआईआर टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस की इस कार्रवाई से न सिर्फ 156 लोगों को उनके मोबाइल वापस मिले, बल्कि आमजन के बीच पुलिस के प्रति भरोसा भी मजबूत हुआ।

तीन मकानों से 2.8 कुंटल अवैध पटाखे बरामद

गोण्डा। नगर कोतवाली पुलिस ने गुरुवार रात करीब 11.15 बजे करीब 208 किलो अवैध पटाखों के साथ दो महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके खिलाफ विस्फोटक अधिनियम समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने शहर से मात्र 3 किलोमीटर की दूरी पर कल गुरुवार शाम करीब 6 बजे पोर्टरगंज पथवलिया में कॉस्मेटिक दुकान के पीछे बने तीन मकानों में छापा मारा। वहां 24 बोरियों और तीन कार्टून में पटाखे और विस्फोटक सामग्री रखी मिली। इसके बाद मुकदमा दर्ज करके रात में आरोपियों गिरफ्तार किया है गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इमामुन निशा पत्नी इरशाद, साबिया खातून पत्नी अरशद और बक्शीश रजा पुत्र ननकऊ के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, सामान बिना लाइसेंस के रखा गया था। जब्त सामान में माचिस बम, छूरछुरी, अनार, जलेबी, चरखी, रॉकेट और अन्य विस्फोटक सामग्री शामिल है। सीओ नगर योगेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस को पोर्टरगंज पथवलिया में अवैध पटाखे रखे होने की सूचना मिली थी। टीम ने पहले कॉस्मेटिक दुकान के पीछे एक मकान और फिर दो अन्य मकानों में छापा मारा। गोंडा के एसपी अभिषेक झा ने जिले के पुलिसकर्मियों को बिना लाइसेंस पटाखे रखने वालों के खिलाफ छापेमारी और कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नगर कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है। योगेंद्र सिंह ने कहा कि जिले में अवैध पटाखों के भंडारण के खिलाफ छापेमारी जारी है। बिना लाइसेंस पटाखे रखने की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी सामग्री कहीं और मिलने पर भी कार्रवाई होगी और किसी घटना की स्थिति में संबंधित थाने और चौकी के पुलिसकर्मी जिम्मेदार होंगे।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो युवक झुलसे,एक की मौत



सीतापुर। जनपद में शुक्रवार दोपहर करीब 2.30 बजे खेत में काम करते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो युवक झुलस गए। दोनों को सीएचसी बिसवां पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे की हालत गंभीर है। उसका इलाज चल रहा है। मामला कोतवाली बिसवां क्षेत्र का है। मोचकला गांव निवासी ठाकुर प्रसाद के खेत में शुक्रवार को ट्रैक्टर से जुताई के बाद मयाई का काम चल रहा था। ट्रैक्टर पर छतरी लगी हुई थी। खेत के ऊपर से 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी। इसी दौरान ट्रैक्टर की छतरी बिजली के तार से टकरा गई। इससे ट्रैक्टर में करंट फैल गया और पास में काम कर रहे दो युवक इसकी चपेट में आकर झुलस गए। युवकों की चीख–पुकार सुनकर खेत में मौजूद लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने दोनों को ऑटो से सीएचसी बिसवां पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने आयुष पुत्र मेवा लाल (21) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, आनंद सागर पुत्र ठाकुर प्रसाद (20) की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। अस्पताल में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाई। गांव निवासी अनुज काम्बले ने बताया कि खेतों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन काफी नीचे है। तार ऊंचे कराने के लिए बिजली विभाग से कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने बिजली के तार ऊंचे कराने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है।

दहेज के लिए विवाहिता को मायके में छोड़ा, पति पर एफआईआर



वाराणसी। वाराणसी के लोहता थाना क्षेत्र में दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को मायके में छोड़ने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पति ने विदाई के लिए एक लाख रुपए और सोने की चेन की मांग की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महमूदपुर निवासी शहनाज बानो की शादी 11 अक्टूबर 2022 को रहीमपुर निवासी मो. अफजल से मुस्लिम रीति–रिवाज से हुई थी। शहनाज के मुताबिक, उनके पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार शादी में गृहस्थी का जरूरी सामान दिया था। शहनाज का आरोप है कि शादी के बाद ससुराल में उनसे सुबह से रात तक काम कराया जाता था। समय पर खाना भी नहीं दिया जाता था, जिससे उनकी तबीयत खराब रहने लगी। दिसंबर 2022 से दिसंबर 2024 के बीच बीमारी की हालत में उन्हें चार बार मायके भेजा गया। शहनाज के मुताबिक, वह 4 दिसंबर 2024 से मायके में रह रही हैं। उन्होंने 28 अप्रैल 2025 को एक बेटे को जन्म दिया। आरोप है कि इसकी जानकारी होने के बावजूद ससुराल से कोई उनका हालचाल लेने नहीं आया। प्रसव के खर्च में भी ससुराल पक्ष ने कोई मदद नहीं की। शहनाज और उनके पिता ने पंचायत के जरिए कई बार मामला सुलझाने की कोशिश की, लेकिन आरोप है कि पति पक्ष पंचायत में शामिल नहीं हुआ। शहनाज का कहना है कि पति अफजल ने एक लाख रुपए और सोने की चेन मिलने के बाद ही विदाई करने की बात कही। उन्होंने पति पर शराब पीकर गाली–गलौज और मारपीट करने के साथ झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। मामला नहीं सुलझने पर शहनाज ने पुलिस से शिकायत की।

फाउंडेशन ने बच्चों संग मनाई दीपावली

वाराणसी। दीपावली के अवसर पर 3बी फाउंडेशन की ओर से ग्राम पहाड़ी और मरौली में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान करीब 150 बच्चों को मिठाई, दीये, पटाखे, चिप्स और चॉकलेट वितरित किए गए। फाउंडेशन की ओर से बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां साझा की गईं। संस्थापक राखी रानी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को त्योहार के उपहार दिए गए। इस अवसर पर राखी रानी ने कहा कि दीपावली पर जरूरतमंद बच्चों के साथ खुशियां बांटने से त्योहार का आनंद बढ़ता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के जीवन में खुशियां पहुंचाना फाउंडेशन का उद्देश्य है। कार्यक्रम में राकेश विश्वकर्मा और सुनीता ने भी सहयोग किया।

विद्यार्थियों ने चुनार, विढम फॉल और विंध्याचल का दौरा किया

वाराणसी। वाराणसी के नारायणपुर वार्ड 31 स्थित उदय प्रताप स्वायत्तशासी महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग ने परास्नातक विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण कराया। विद्यार्थियों ने चुनार, विढम फॉल और विंध्याचल का दौरा किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने वहां की सामाजिक संरचना, धार्मिक परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और सामुदायिक जीवन का समाजशास्त्रीय अध्ययन किया। विभाग के डॉ. विपिन प्रकाश सिंह ने बताया कि भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना और सामाजिक परिवर्तन व धार्मिक पर्यटन की समझ विकसित करना था।

दिवाली शॉपिंग के बहाने टीचर ने छात्रा से रेप किया,खुद अस्पताल लेकर पहुंचा



वाराणसी। काशी में एक टीचर ने अपनी छात्रा के साथ रेप किया। आरोपी पहले छात्रा को दिवाली की शॉपिंग कराने बाजार ले गया। इसके बाद उसे अपने कमरे पर ले गया। जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान छात्रा की हालत बिगड़ गई और उसे तेज ब्लीडिंग होने लगी। इसके टीचर घबरा गया और खुद उसे अस्पताल लेकर पहुंचा। छात्रा की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसकी मां को फोन कर अस्पताल बुलाया। मां ने बेटी की हालत देखी तो पुलिस को सूचना दी। चेतगंज पुलिस ने मां की शिकायत पर आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर लिया। छात्रा की गंभीर हालत को देखते हुए उसे दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया गया है। आरोपी आर्य महिला डिग्री कॉलेज में पढ़ाता है। वाराणसी के कोतवाली थाना क्षेत्र की रहने वाली 20 साल की छात्रा आर्य महिला डिग्री कॉलेज में ग्रेजुएशन तृतीय वर्ष में पढ़ती है। छात्रा का अपने कॉलेज के टीचर अभिषेक कुमार तिवारी (40) के घर आना–जाना था। टीचर चेतगंज क्षेत्र में किराए के मकान में रहता है और भदोही का रहने वाला है। गुरुवार को टीचर ने छात्रा को फोन कर दीपावली की शॉपिंग कराने के लिए बाजार बुलाया। छात्रा दोपहर 3 बजे घर से निकली और स्मार्ट बाजार पहुंची। दोनों ने वहां कपड़े, घरेलू सामान और गिफ्ट आइटम खरीदे। इसके बाद बाहर खाना खाया फिर टीचर के कमरे पर चले गए। छात्रा की मां के मुताबिक, टीचर ने छात्रा के साथ रेप किया। इससे उसके अंदरूनी हिस्से में गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा। छात्रा की हालत बिगड़ने पर टीचर घबरा गया और उसे पास के एलायंस अस्पताल ले गया। डॉक्टरों ने इलाज किया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद डॉक्टरों के कहने पर शिक्षक ने छात्रा के परिजनों को फोन कर अस्पताल बुलाया। परिजनों के पहुंचने पर टीचर ने हादसे में चोट लगने की बात कही, लेकिन डॉक्टरों ने छात्रा की मां को पूरी घटना बता दी। बेटी की हालत देखकर मां ने अस्पताल में हंगामा किया और पुलिस को बुला लिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया।

एएमयू छात्रसंघ चुनाव में मोहम्मद नोमान अशरफ अध्यक्ष और नशरा नईम उपाध्यक्ष व मोहम्मद हमदान सचिव निर्वाचित

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 5 नवंबर को हुए मतदान के बाद शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय छात्रसंघ (एएमयूएसयू), वीमेंस कॉलेज छात्रसंघ (डब्ल्यूसीएसयू) और एएमयू कोर्ट के छात्र प्रतिनिधियों के चुनाव परिणाम रात भर चली मतगणना के बाद आज प्रातः काल घोषित कर दिए गए हैं। मोहम्मद नोमान अशरफ 7,797 वोट हासिल कर एएमयूएसयू के अध्यक्ष निर्वाचित हुए, जबकि नशरा नईम ने 7,091 वोटों के साथ उपाध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। मोहम्मद हमदान 8,385 वोट प्राप्त कर मानद सचिव चुने गए। एएमयूएसयू के दस निर्वाचित कैबिनेट सदस्यों में मुहम्मद अहमद खान (10,794 वोट), हानिया खान (8,266), अरीबा दिलशाद (7,091), शाजिया शमीम (6,332), मुहम्मद मोहसिन के. (6,267), मुहम्मद मुर्शिद के. (5,644), अरसलान खान (4,680), अनिका रुम्मान राही (4,498), शाहीन परवीन (4,098) और मोहम्मद फैज (4,035) शामिल हैं। वीमेंस कॉलेज छात्रसंघ के चुनाव में अनम रियाज 806 वोट हासिल कर अध्यक्ष निर्वाचित हुईं, जबकि आयशा खान ने 1,090 वोटों के साथ उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। मरियम जान 862 वोट प्राप्त कर मानद सचिव चुनी गईं। वीमेंस कॉलेज छात्रसंघ की आठ कैबिनेट सदस्य भी निर्वाचित हुईं। इनमें जुवेरिया रहमान 1,485 वोटों के साथ पहले स्थान पर रहीं। उनके बाद अमीना खानम (1,445), हिबा मनाल (1,325), सबीहा (1,251), जकिया मुर्तजा (1,124), खुशबू परवीन (1,118), मेहविश (1,081) और फातिमा हसन (1,079) शामिल हैं। एएमयू कोर्ट के चुनाव में विभिन्न संकायों और संकाय समूहों से 11 छात्र प्रतिनिधि निर्वाचित हुए। इनमें चिकित्सा संकाय से मोहम्मद कैफ (1,147 वोट), यूनानी चिकित्सा संकाय से अमीना फैजान (216), विज्ञान संकाय से शहंशाह खान (941), जीव विज्ञान संकाय से मोहम्मद राफे (383), इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय से मोहम्मद कुमैल अशरफ (1,384), विधि संकाय से मोहम्मद हमजा अंसारी (321), प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान तथा अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संकायों से मोहम्मद अहसन उस्मानी (241), कृषि विज्ञान, धर्मशास्त्र और के.ए. निजामी कुरआन अध्ययन केंद्र से मोहतशिम एजाज सानी (294), सामाजिक विज्ञान संकाय से अब्दुल बासित सिद्दीकी (743), कला संकाय से कफील उल हक (495) और वाणिज्य संकाय से इल्मा मशरूफ (336) शामिल हैं। इस वर्ष के चुनावों की एक विशेष उपलब्धि छात्राओं की उल्लेखनीय भागीदारी और प्रतिनिधित्व रहा। नशरा नईम ने उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की, जबकि एएमयूएसयू की दस सदस्यीय कैबिनेट में पांच छात्राएं निर्वाचित हुईं। एएमयू कोर्ट के छात्र प्रतिनिधियों के रूप में भी दो छात्राओं अमीना फैजान और इल्मा मशरूफ ने जीत दर्ज की। वीमेंस कॉलेज छात्रसंघ में नए पदाधिकारियों के साथ आठ कैबिनेट सदस्य भी निर्वाचित हुईं। यह परिसर की लोकतांत्रिक गतिविधियों में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है।

संक्षिप्त खबरें

धनतेरस पर बाजार में खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़

बलरामपुर। जिले में धनतेरस पर्व को लेकर रेहरा बाजार क्षेत्र में शुक्रवार को बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। सुबह से ही खरीदारी का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक जारी रहा। पर्व की खुशियों और परंपराओं के बीच बाजारों में उमड़ी भीड़ ने व्यापारियों के चेहरों पर भी मुस्कान ला दी। बाजारों में चहल–पहल से पूरा क्षेत्र दीपावली के उल्लास में सराबोर नजर आया। धनतेरस के शुभ अवसर पर खरीदारी को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाएं, पुरुष और युवा परिवार के साथ बाजारों में पहुंचकर अपनी जरूरत और पसंद के सामान खरीदते नजर आए। खासकर ज्वैलरी की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही। वहीं मिठाई की दुकानों पर भी लोगों की अच्छी खासी आवाजाही देखने को मिली। घरों को रोशनी से सजाने के लिए रंग–बिरंगी लाइट, झालर, सजावटी सामान और दीपावली से जुड़े अन्य उत्पादों की दुकानों पर भी ग्राहकों का जमावड़ा लगा रहा। बाजार में बढ़ती भीड़ के चलते दुकानदारों को दिनभर ग्राहकों को सामान दिखाने और बिक्री में व्यस्त देखा गया। जगह–जगह सजी दुकानों और रंग–बिरंगी रोशनी ने बाजार की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए। पर्व को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करने रेहरा बाजार पहुंचे। ग्रामीण रिंकू, पंकज, राजकुमार और अंकित आदि ने बताया कि धनतेरस पर खरीदारी करना शुभ माना जाता है। इसी परंपरा के तहत लोग अपनी क्षमता के अनुसार आभूषण, मिठाई, सजावटी सामान और घर की जरूरत की वस्तुएं खरीद रहे हैं। धनतेरस की रौनक ने क्षेत्र में दीपावली के उत्सव और खुशियों का माहौल और भी बढ़ा दिया।

वन–विभाग ने ग्रामीणों–बच्चों को वन्यजीवों से बचाव के तरीके बताए

बलरामपुर। सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग में मानव–वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए वन विभाग जागरूकता अभियान चला रहा है। तुलसीपुर, पूर्वी सोहेलवा और पश्चिमी सोहेलवा रेंज में कर्मचारी नियमित गश्त कर रहे हैं। ग्रामीणों को तेंदुए और दूसरे वन्यजीवों से बचाव के तरीके बताए जा रहे हैं। तुलसीपुर रेंज के कल्याणपुर और बघेलखण्ड गांवों में वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्हें बताया गया कि वन्यजीव दिखने पर घबराएं नहीं। उनके पास जाने या उन्हें परेशान करने से बचें। बरहवा रेंज की तेंदुआ नगर बीट के प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम हुआ। बच्चों को वन्यजीवों के महत्व, उनके संरक्षण और उनसे सुरक्षित रहने के तरीके बताए गए। वनकर्मियों ने उन्हें क्या करें और क्या न करें, इसकी जानकारी दी। वन विभाग का उद्देश्य ग्रामीणों और वन्यजीवों के बीच सुरक्षित सह–अस्तित्व को बढ़ावा देना और संघर्ष की घटनाएं रोकना है।

जिला अस्पताल में मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर शुरू,जिलाधिकारी ने किया उद्घाटन

बलरामपुर। जिला मेमोरियल चिकित्सालय में शुक्रवार को मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर शुरू हुआ। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने इसका उद्घाटन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस सुविधा से शल्य चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और मरीजों को बेहतर इलाज देने में मदद मिलेगी। मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर में संक्रमण नियंत्रण, साफ–सफाई और ऑपरेशन के दौरान जरूरी तकनीकी व्यवस्थाओं पर ध्यान दिया जाता है। इससे ऑपरेशन के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित माहौल बनाने में मदद मिलती है। इस सुविधा से अस्पताल आने वाले मरीजों को आधुनिक शल्य चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी। ऑपरेशन की जरूरत वाले मरीजों के इलाज की क्षमता भी बढ़ेगी। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हीरालाल मौजूद रहे। चिकित्सालय के अलग–अलग विभागों के अधिकारी, डॉक्टर और कर्मचारी भी शामिल हुए।

अंत्येष्टि स्थल का भूमिपूजन हुआ, विधायक ने शुरू कराया निर्माण

गोण्डा। जिले के तरबगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत चंदीपुर में शुक्रवार दोपहर अंत्येष्टि स्थल का भूमिपूजन और शिलान्यास किया गया। विधायक प्रेम नारायण पांडे ने पूजन कर निर्माण कार्य शुरू कराया। प्रधान प्रशासक प्रतिनिधि समीर सिंह ने समर्थकों के साथ गुलाब के फूल बरसाकर विधायक का स्वागत किया। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि अनुज शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य तरबगंज चतुर्थ राजू सिंह, सूरज सिंह, बलवंत सिंह और विजय प्रताप सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। समीर सिंह ने बताया कि अंत्येष्टि स्थल करीब 24 लाख रुपये की लागत से बनेगा। ग्राम पंचायत की आबादी करीब पांच हजार है। बरसात के समय लोगों को दिक्कत होती थी, इसलिए विधायक के सामने निर्माण का प्रस्ताव रखा गया था। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में विधायक प्रेम नारायण पांडे के सहयोग से प्रस्ताव को मंजूरी मिली। स्थल बनने से पांच हजार से अधिक लोगों को लाभ मिलेगा। विधायक प्रेम नारायण पांडे ने कार्यक्रम में लोगों को धनतेरस की शुभकामनाएं दीं।

तीन दिन से लापता युवक का शव कुएं में मिला

गोण्डा। बालपुर चौकी क्षेत्र के परसा गोंडरी स्थित गुरु पुरवा गांव में शुक्रवार शाम करीब 3 बजे कुएं में एक युवक का शव मिला। उसकी पहचान गांव निवासी रविंद्र (40) के रूप में हुई है। वह पिछले तीन दिनों से लापता था। शव मिलने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, रविंद्र करीब तीन दिन पहले लापता हो गए थे। परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। शुक्रवार को गांव में कुएं में शव मिलने की सूचना पर लोगों की भीड़ जुट गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान रविंद्र के रूप में की। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद स्पष्ट हो सकेगा। चौकी प्रभारी वीरपाल सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

सम्पादकीय

अब्दुल अल सैयद से बंधी उम्मीद

अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की हार और डोनाल्ड ट्रंप के खत्म होते दबदबे के अलावा सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है मिशिगन से सीनेट के लिए जीतने वाले अब्दुल अल–सैयद की। पेशे से डॉक्टर अब्दुल अल–सैयद अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर बन गए हैं। उनकी जड़ें मिस्र से हैं, जबकि उनकी पत्नी डॉ. सारा जुकाकू का संबंध कर्नाटक के तटीय क्षेत्र भटकल से है। इसलिए अब्दुल भी खुद को भारतीयों के नजदीक समझते हैं। अब्दुल अल सैयद ने जिन मुद्दों और मूल्यों पर जीत हासिल की है और उन्हें हराने के लिए जिस तरह की कोशिशें की गईं, उन का खास विश्लेषण करने की जरूरत है। क्योंकि आज भारत समेत तमाम दुनिया की राजनीति में जिस तरह कट्टरपंथ, पूर्वाग्रहों और स्वार्थों को महिमामंडित कर सत्ता का रास्ता तैयार किया जाता है, उसमें अब्दुल की जीत उम्मीद बंधाती है कि जनता अब भी अच्छाई को अधिक तवज्जो देती है। गौरतलब है कि अमेरिकन इजरायल पब्लिक अफेयर्स कमिटी (एआईपीएसी) ने डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में उन्हें हराने के लिए तीन करोड़ डॉलर से ज़्यादा खर्च किए थे। इसके अलावा, आम चुनाव में उनके मुकाबले में खड़े रिपब्लिकन माइक रोजर्स के समर्थन में भी करीब 90 लाख डॉलर खर्च किए जाने की खबरें थीं। चुनाव प्रचार के डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें शजिहादीश कहा था और साथ ही यह भी कहा था कि अगर वो सीनेट में दाखिल होंगे तो मेटल डिटेक्टर की जांच से गुजरना होगा। लेकिन अब्दुल अल सैयद ने इसका सटीक जवाब हंसते–हंसते दे दिया। उन्होंने ट्रंप के लिए कहा कि अब आपको मेरा नाम लेने में तकलीफ नहीं होगी, आप मुझे सीनेटर कह सकते हैं। वहीं मेटल डिटेक्टर वाली बात पर उन्होंने कहा कि मुझे इसमें कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते आप भी लाइ डिटेक्टर यानी झूठ पकड़ने वाली मशीन को खुद पर आजमाने दें। क्योंकि एपस्टीन और 2020 का चुनाव जीतने जैसे कई सवालों पर आपसे जवाब चाहिए। अब्दुल अल सैयद के ऐसे जवाबों को जनता ने खूब पसंद किया। उन्होंने यह भी कहा कि जो मां–बाप इस बात से परेशान थे कि वे अपने बच्चों को कैसे समझाएं कि उनके राष्ट्रपति ने एक उम्मीदवार के लिए गलत बातें क्यों कहीं, तो अब वे उन्हें कह सकते हैं कि बुराई की हार हुई है। ऐसे कई और उदाहरण अब सामने आ रहे हैं जिसमें अब्दुल अल सैयद अपने ऊपर हुए निजी हमलों के जवाब में संतुलित और सधे जवाब अविचलित दे रहे हैं, जिनमें समाज के लिए व्यापक संदेश छिपे हैं। जैसे एक पत्रकार ने उनसे मुस्लिम ब्रदरहुड पर सवाल किया कि क्या वे उसे खारिज करेंगे। जानकारी के लिए बता दें कि 1928 में मिस्र में मुस्लिम ब्रदहहुड नाम का संगठन खड़ा किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य समाज में शरिया (इस्लामी कानून), कुरान और हदीस के सिद्धांतों को लागू करना और पश्चिमीध्धर्मनिरपेक्ष प्रभावों का मुकाबला करना था। लेकिन जल्द ही यह राजनैतिक तौर पर प्रभावशाली बन गया, बहुत सी हिंसक घटनाओं में इसकी संलिप्तता देखी गई, जिसके बाद कई देशों ने इसे श्आतंकवादी संगठनश घोषित किया। अब्दुल अल सैयद के खिलाफ ट्रंप और रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स समेत कई विरोधियों ने मुस्लिम ब्रदरहुड से संबंध होने के आरोप प्रचार के दौरान लगाए थे, हालांकि इसके कोई सबूत वे पेश नहीं कर पाए। ऐसे में जब पत्रकार ने उनसे इस बारे में सवाल किया तो पलट कर उन्होंने कहा कि आप ऐसे सवाल और किस–किस से कर चुके हैं, क्या आप मुस्लिम ब्रदरहुड को खारिज नहीं करते या आप मुझसे ये सवाल क्यों करते हैं। मैं अमेरिका के संविधान में यकीन रखता हूं और मुस्लिम ब्रदरहुड को खारिज करता हूं। लेकिन आपने खासतौर पर मुझसे ये सवाल किया यह इस बात का संकेत है कि मुस्लिम होने के कारण उनकी दोहरी निष्ठा का मुद्दा खड़ा किया जा रहा है। अब्दुल अल सैयद ने जॉन एफ कैनेडी के 1960 के ऐतिहासिक भाषण का हवाला देते हुए कहा कि उनकी मुख्य निष्ठा किसी धार्मिक समूह से नहीं, बल्कि अमेरिकी संविधाान और धार्मिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों से है। वे अमेरिकी राष्ट्रपति बने और संयोग है कि वे कैथोलिक हैं। इसी तरह मैं सीनेटर बना और संयोग है कि मैं मुस्लिम हूं। अब्दुल अल सैयद ने जिस पूर्वाग्रह ग्रसित सवाल का सामना किया, भारत के मुसलमानों को भी बारम्बार ऐसे ही पूर्वाग्रहों से जूझना पड़ता है। उनसे देशभक्ति के सबूत मांगे जाते हैं। पाकिस्तानपरस्ती के आरोप लगातार लगते हैं। चक दे इंडिया जैसी पूरी पिक्चर ही इस पर बन गई। वैसे अब्दुल अल सैयद का जवाब राहुल गांधी के अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में दिए गए जवाब से काफी मेल खाता है। तब एक छात्रा ने उनसे पूछा था कि क्या कोई मुस्लिम देश का प्रधानमंत्री बन सकता है, तो राहुल का जवाब था कि नेतृत्व और प्रधानमंत्री का पद किसी धर्म से तय नहीं होता, बल्कि काम करने की क्षमता से तय होता है।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के नतीजे ट्रंप की तानाशाही के खिलाफ स्पष्ट जनादेश

नित्य चक्रवर्ती



अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के नतीजे न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मौजूदा प्रशासन पर, बल्कि लैटिन अमेरिका, यूरोप और भारत जैसे देशों की राजनीतिक स्थिति पर भी बड़ा असर डालेंगे। वैश्विक स्तर पर, ट्रंप की यह बड़ी हार दुनिया के उन विभिन्न समूहों का हौसला बढ़ाएगी जो अलग–अलग तरह की तानाशाही के खिलाफ लड़ रहे हैं। वामपंथी राष्ट्रपति लूला की ऐतिहासिक जीत के महज दस दिन बाद अमेरिकी मतदाताओं का यह फैसला संकेत देता है कि इस महाद्वीप में एक नया राजनीतिक माहौल बन रहा है, जो अति दक्षिणपंथी उभार की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। ताजा नतीजों के अनुसार, सीनेट में डेमोक्रेट्स को लगभग 55 सीटें मिली हैं, जबकि रिपब्लिकन को 45 सीटें मिली हैंय यानी डेमोक्रेट्स के पास स्पष्ट बहुमत है। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (प्रतिनिधि सभा) की 435 सीटों में से डेमोक्रेट्स को 240 से अधिक सीटें मिलने की उम्मीद है, जो बहुमत के लिए जरूरी 218 सीटों से कहीं ज्यादा है। इस तरह, कांग्रेस के दोनों सदनों पर नियंत्रण मिलने से डेमोक्रेट्स को ट्रंप पर अपनी नीतियां बदलने के लिए दबाव डालने का एक बड़ा मौका मिल गया है। अमेरिकी संविधान के अनुसार, ट्रंप के पास वीटो शक्तियां हैं। वे कांग्रेस की राय को नजरअंदाज करते हुए अपने कुछ कार्यक्रमों को लागू करने के लिए इन शक्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन इसकी भी एक सीमा है। 3 नवंबर के चुनावों के बाद उनकी राजनीतिक हैसियत कमजोर हुई है। ऐसे में शायद वे कांग्रेस पर उस तरह से अपनी मर्जी नहीं थोप पाएंगे, जैसा कि उन्होंने 21 जनवरी, 2025 को पदभार संभालने के बाद पिछले दो वर्षों में किया है। अपने खिलाफ आए इस स्पष्ट फैसले के बाद ट्रंप के तेवर कुछ नरम पड़ गए हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वे अपने कार्यकाल के बचे हुए दो वर्षों में कांग्रेस में डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करेंगे। उनके चुनाव प्रचार के दौरान का वह दावा अब गायब था कि डेमोक्रेट्स मतदान के आंकड़ों में हेरफेर कर सकते हैं। उन्होंने इस जनादेश को स्वीकार कर लिया है। ट्रंप अब एक जटिल राजनीतिक स्थिति का सामना कर रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान, उन्होंने मतदाताओं से कहा कि वे याद रखें कि हर मतपत्र पर वही उम्मीदवार हैं। उन्हें इसे अपने ऊपर एक जनमत संग्रह कहलाना पसंद था। रिपब्लिकन ने भी यही रुख अपनाया। वहीं, डेमोक्रेट्स ने इसे ट्रम्प के श्जन–विरोधीश कार्यक्रमों पर एक जनमत संग्रह के रूप में पेश किया। अब इस करारी हार के बाद, वे अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते, हालांकि उन्होंने चालाकी दिखाते हुए यह कहा कि अगर वे खुद उम्मीदवार होते, तो उन्हें भारी जीत मिलती। लेकिन रिपब्लिकन पार्टी के नेता काफी नाराज और निराश हैं। उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को अपने ही गढ़ों में भारी हार का सामना करना पड़ा, खासकर उन निर्वाचन क्षेत्रों में जहां ट्रम्प ने सबसे ज्यादा प्रचार किया था। पिछले 94 वर्षों में पहली बार, कंसास में एक डेमोक्रेट ने सीनेट की सीट जीती, जहां एडम हैमिल्टन ने रोजर मार्शल को हराया। ट्रम्प के लिए एक और बड़ी व्यक्तिगत हार मिशिगन में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल–सैयद की जीत रही। ट्रम्प ने हमेशा की तरह सैयद के खिलाफ इस्लाम–विरोधी बयानबाजी की, लेकिन मतदाताओं ने उन्हें स्पष्ट बहुमत से चुन लिया। रिपब्लिकन इस बात से हैरान हैं कि ट्रम्प द्वारा चुने गए ज्यादातर उम्मीदवार हार गए हैं। टेक्सास और साउथ कैरोलिना में, ट्रम्प ने अपने पसंदीदा उम्मीदवारों के लिए जमकर प्रचार किया था। ये सभी पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन के गढ़ रहे हैं, और राष्ट्रपति के प्रचार और समर्थन के बाद, यह माना जा रहा था कि वे आसानी से जीत जाएंगे। लेकिन 3 नवंबर के चुनावों में, वहां के रूढ़िवादी मतदाताओं ने डेमोक्रेट्स का साथ दिया, जिससे रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगाकृजो राष्ट्रपति चुनावों में सीटों के लिए हमेशा टेक्सास पर निर्भर रहती है। रिपब्लिकन–बहुल राज्यों के ये रुझान 2028 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए एक चिंताजनक संकेत देते हैं। ट्रम्प समर्थित उम्मीदवारों की विफलता के विपरीत, बर्नी सैंडर्स और उनके वामपंथी डेमोक्रेट्स ने 3 नवंबर के चुनावों में बड़ी सफलता हासिल की है। हालांकि अंतिम आंकड़े अभी आने बाकी हैं, लेकिन डीएसए सूत्रों का दावा है कि सैंडर्स द्वारा समर्थित 70 उम्मीदवारों में से 40 से अधिक जीत गए हैं। ये सभी सैंडर्स के उन कार्यक्रमों के समर्थक हैं, जो मजदूरों और गरीबों के लिए अधिक सुविधाओं, रक्षा खर्च में कटौती और ईरान के साथ युद्ध खत्म करने की वकालत करते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी में डीएसए की बढ़ती संख्या को देखते हुए, पार्टी नेतृत्व पर अब भारी दबाव होगा कि वे कांग्रेस में अपने एजंडे को और अधिक श्जन–हितैषीश दिशा में ले जाएं। लैटिन अमेरिका और यूरोप, दोनों ही जगहों पर वामपंथियों और उदारवादियों के बीच काफी उत्साह है, क्योंकि घोर दक्षिणपंथी विचारधारा के दो बड़े स्तंभ– डोनाल्ड ट्रंप और ब्राजील के जायर बोल्सोनारो– हार गए हैं। लैटिन अमेरिका में श्सत्ता परिवर्तनश के ट्रंप के एजंडे को, ब्राजील में लूला के राष्ट्रपति चुने जाने से पहले ही एक बड़ा झटका लग चुका है। इसके अलावा, लैटिन अमेरिकी क्षेत्र में अन्य घोर दक्षिणपंथी पार्टियों को मिलने वाला समर्थन भी फिलहाल कम हो सकता है। ट्रंप अब नवंबर 2028 तक अपनी सत्ता बचाए रखने की जद्दोजहद में ही इतने व्यस्त रहेंगे कि उनके लिए कुछ और कर पाना मुश्किल होगा, खासकर तब जब अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेट्स फिर से मजबूत होकर लौट आए हैं। भारत की बात करें तो, ट्रंप की हार के नतीजों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जरूर चिंतित होंगे। ट्रंप का श्मगाश (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) एजेंडा, काफी हद तक नरेंद्र मोदी के अपने एजेंडे से मिलता–जुलता है। अमेरिका में मौजूद भाजपा से जुड़े संगठन, जिनमें वीएचपी और अन्य हिंदू संगठन शामिल हैं, डोनाल्ड ट्रंप के साथ हार गए। वे भी ट्रंप की तरह ही इस्लाम से नफरत रखते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के कई लोग नरेंद्र मोदी को ट्रंप जैसा ही मानते हैं। असल में, बर्नी सैंडर्स ने मोदी को उन दक्षिणपंथी नेताओं में से एक बताया है, जिनका नेतृत्व ट्रंप करते हैं। अब अमेरिकी संसद अर्थात कांग्रेस में सैंडर्स और भी ताकतवर हो जाएंगे, क्योंकि उनके गुट के कई सदस्य चुनकर आए हैं। अमेरिका के साथ भारत के हितों की रक्षा के लिए, वाशिंगटन में भारतीय दूतावास को डेमोक्रेट्स के साथ और ज्यादा बातचीत करनी होगी। भारत में मानवाधिकारों के उल्लंघन के मुद्दे पर, आने वाले साल में मोदी सरकार को अमेरिकी कांग्रेस और उसकी कमेटियों की और ज्यादा आलोचना का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। इस साल भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की ट्रंप से दो बार मुलाकात होगी। पहली मुलाकात इसी महीने के मध्य में मनीला में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान होगी। इसके बाद, दिसंबर के मध्य में, भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मियामी, फ्लोरिडा में जी–20 बैठक के दौरान मुलाकात होगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या मोदी, ट्रंप की राजनीतिक रूप से कमजोर स्थिति का फायदा उठाकर भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को आगे बढ़ा पाते हैं या नहीं। साथ ही, उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भारतीय कृषि–खाद्य बाजार में अमेरिकी हितों के बीच भारत के अपने हित सुरक्षित रहें।

विपक्ष की एकजुट चुनौती और जवाबदेही के सवाल

राजेश पांडेय

चुनाव प्रक्रिया की स्वच्छता बहाल करने के लिए देश में पहली बार बड़े पैमाने पर विरोध ा के स्वर लगातार उठे हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लंबे समय से चुनावों में धांधली का मुद्दा उछाल रही है। अदालतों में भी मुकदमे दायर हुए हैं। 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्ष की एकजुट रैली ने चुनावी गड़बड़ी के खिलाफ असरदार संदेश दिया है। इस बीच चुनाव आयोग की कुछ और अनियमितताएं सामने आ रही हैं। लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुप्पी साध रखी है। उनके बचाव की जिम्मेदारी सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने संभाल रखी है। हालांकि, मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) की प्रक्रिया में खामियों के बारे में वह कुछ नहीं बोलती है। यहां हम दो अहम मुद्दों पर गौर करते हैं– पहला विपक्षी दलों की एकता और दूसरा लोकतंत्र के सामने मौजूद खतरे। एसआईआर में गड़बड़ी के खिलाफ विपक्ष का संयुक्त प्रदर्शन और उसमें छात्रों, एक्टिविस्ट, कुछ अन्य संगठनों की सक्रियता बताती है कि जनता का एक वर्ग इस मुद्दे की गंभीरता से चिंतित है। वह चुनाव आयोग सहित अन्य संस्थाओं की विश्वसनीयता बनाए रखना चाहता है। धांधली के साये में होने वाले चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद के लिए खतरा हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में इससे पहले कभी समूची चुनाव प्रणाली की पवित्रता पर इतना अधिक संदेह नहीं जताया गया था। इसलिए भी विपक्ष की एकजुटता मायने रखती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 12 वर्षों के शासनकाल में लंबे समय तक विपक्षी दल अलग–अलग स्वर में बोलते रहे हैं। संसद में जरूर कुछ मुद्दों पर उनके बीच तालमेल नजर आता था। इसका सबसे बड़ा उदाहरण इस साल अप्रैल में संसद के बजट सत्र में 131 वें संविधान संशोधन विधेयक के पारित न होने का है। विधेयक में महिलाओं के लिए संसद और राज्य विधानसभाओं की 33प्रतिशत सीटों के आरक्षण और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने के प्रावधान थे। बहरहाल, राज्यों में अपने–अपने हितों की वजह से विपक्षी दल सड़क पर एकजुट नजर नहीं आते थे। लेकिन, सत्ताधारी दल की मिलीभगत से चुनाव आयोग की मनमानी ने बिखरे विपक्ष को एक–दूसरे के साथ खड़ा कर दिया है। रामलीला मैदान के प्रदर्शन में अधिकतर विपक्षी पार्टियों की मौजूदगी दिखाती है कि उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व को स्वीकार कर लिया है। कई बार अपने अटपटे कथनों के लिए चर्चित रहे राहुल ने मोदी सरकार को कई सामयिक मुद्दों पर कटघरे में खड़ा किया है। गांधी परिवार की विरासत को राहुल के खिलाफ बड़ा मुद्दा बनाया जाता है। वैसे, इस मामले में राहुल कुछ कर भी नहीं सकते हैं। भाजपा के सभी नेता और गोदी मीडिया की उपमा से विभूषित मीडिया का एक वर्ग हमेशा उनकी विशिष्ट विरासत को उछालता रहा है। उन्हें आम आदमी के सरोकारों से बेखबर एक राजपरिवार के वंशज के बतौर पेश किया जाता था। लेकिन राहुल ने लगातार सक्रियता से अपनी इमेज बदली है। राहुल हमेशा जनता से जुड़े मुद्दे उठाते हैं। वे समाज के वंचित वर्ग के हितों की पैरवी करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन में ऐसे वर्गों के लोगों को आगे बढ़ाने की कोशिश की है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और लोकतंत्र की हिफाजत पर



जोर दिया है। वे संसद और सड़क दोनों जगह विपक्ष के नेता की असली भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विपक्ष को एकजुट रखने के लिए आगे आकर प्रयास किए हैं। पहले कई प्रमुख विपक्षी नेता राहुल का नेतृत्व स्वीकार करने में हिचकिचाते थे। वह हिचक अब बहुत हद तक दूर हो गई है। राज्यों में एक–दूसरे का विरोध करने वालों की एकता व्यावहारिक राजनीति का हिस्सा है। राहुल के राजनीतिक सफर में भारत जोड़ो यात्रा के बाद विपक्ष को एक मंच पर लाने का घटनाक्रम महत्वपूर्ण माना जाएगा। सवाल है, क्या विपक्ष की एकता आगे भी बनी रहेगी। कुछ राज्यों में चुनावी राजनीति के कारण उनके रास्ते जुदा हो जाते हैं। यों भी, भारत में बहुत कम मौकों पर विपक्षी दल एकजुट रहे हैं। सोशलिस्ट नेता राममनोहर लोहिया ने विपक्ष को जोड़ने का नारा उछाला था। 1960 के दशक में कांग्रेस विरोध की राजनीति ने विपक्ष को एक धरातल पर खड़ा किया। राज्यों में कई दलों की संविद सरकारें बनीं। लेकिन ये बेहद अल्पकालिक और अस्थिर साबित हुई थीं। लोहिया का सपना टूट गया। 1977 में इंदिरा गांधी सरकार की इमरजेंसी ने विपक्ष को मिलाया। चार प्रमुख पार्टियों के मेल से जनता पार्टी अस्तित्व में आई। केंद्र में उसकी सरकार भी बनी लेकिन नेताओं की महत्वाकांक्षा और अंतरविरोधों के कारण मोरारजी देसाई की जनता सरकार 28 माह में डूब गई थी। 1989 में विश्वनाथ प्रतापसिंह की जनता दल सरकार भी ज्यादा नहीं टिक पाई थी। 1970–80 और 1990 के दशक की और वर्तमान स्थितियां पूरी तरह अलग हैं। पहले सत्ता से जुड़े सवाल थे तो अब हेरफेर से चुनाव जीतने और चुनाव आयोग के गलत फैसलों की जवाबदेही तय करने के प्रश्न हैं। संवैधानिक संस्थाओं की साख फिर से कायम करने के मामले में तो विपक्षी दल एकजुट हो सकते हैं। चुनाव आयोग ने मनमाने तरीके से एसआईआर के जरिये थोक में वोटरों के नाम काटे हैं। अब तक 13 करोड़ से अधिक वोटरों के नाम कट चुके हैं। प्रक्रिया की खामियों का भंडाफोड़ होने के बाद आयोग ने अपने कई फैसले वापस लिए हैं।

आज का राशिफल

मेष :– नये कार्य की तलाश जारी रहेगी। स्वास्य व परिवार दोनों को लेकर मन परेशान होगा। दूसरों में कमियां निकालने के बजाय स्वयं को सुधारें। नई आशंकाएं मन को परेशान कर सकती हैं।

बृषभ :– नयी योजनाओं को अंजाम देने के लिए उच्च मनोबल के साथ तत्पर होंगे। अपनी भावुकता पर नियंतग्ररखें, अन्यथा भावनात्मक शोषण के शिकार हो सकते हैं। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

मिथुन :– रोजगार में लाभ के नये अवसर मिलेंगे। कोई इच्छित कार्य की पूर्ति अपेक्षित है। राजकीय कर्मचारियों के लिए नौकरी का वातावरण सुखद होगा। समाजिक मान–सम्मान व वर्चस्व में वृद्धि होगी।

कर्क :– सगे–संबंधियों में बड़पन व त्याग के परिचायक बनें। नये कायरें में पूंजी निवेश हेतु धनाभाव अवरोधक हो सकता है। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। रचनात्मक व सामाजिक कायरें में रुचि बढ़ेगी।

सिंह :– शासन–सत्ता का लाभ प्राप्त होगा। पूर्वाग्रहवश दूसरों की आलोचना करना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य के परिणाम के प्रति जिज्ञासा प्रबल होगी। घर में खुशहाली रहेगी।

कन्या :– हर क्षेत्र में अडचन व संघर्ष से मन परेशान होगा। आकस्मिक कोई सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। नेतृत्व की अदभुत क्षमता व कुशल नियोजन से रचनात्मक कायरे को कुशलता से पूर्ण करेंगे।

तुला :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। आर्थिक प्रगति के लिए मन में नई युक्तियां आएंगी।

वृश्चिक :– भौतिक आकांक्षाएं मन प्रभावी होंगी। नई रुचि नये व्यक्तित्व के निर्माण में सहायक होगी। घर में कुछ नये दायित्व अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगे। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

धनु :– संबंधों में छोटी–छोटी बातों का बुरा न माने। कसी महत्वपूर्ण दायित्व की सुव्यवस्थित पूर्ति के चिंतित होंगे। अपनी क्रियाशीलता बढ़ा प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। संतान संबंधी दायित्व की पूर्ति होगी।

मकर :– उच्च महत्वाकांक्षा जल्द ऊंची प्रगति के लिए आपको प्रेरित करेगी। आकस्मिक कोई यात्रा की योजना बन सकती है। कुछ सुंदर भावनाएं मन पर प्रभावी होंगी किंतु अत्याधिक अपेक्षाएं कष्ट देंगी।

कुंभः– अत्याधिक ब्यस्तता व परिश्रम से मन में नीरसता संभव। नये आर्थिक प्रगति के लिए मन परेशान होगा। कार्यक्षेत्र में समुचित उर्जा की अनुभूति होगी। भौतिक आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

मीनः– अपने कद व गरिमा के अनुकूल व्यावहारिक जीवन में चलने का प्रयत्न करें। राजनीतिक सक्रियता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों की मधुरता बढ़ेगी। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

गिरफ्तारी में पारदर्शिता

किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेने और उसकी गिरफ्तारी को दर्शाने के समय को लेकर पुलिसिया कार्रवाई के बारे में अक्सर सवाल उठते रहे हैं। दरअसल, यह व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार होने के बावजूद, इसकी अनदेखी की जाती रही है। यही वजह है कि अब इस मामले मे देश की शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। शीर्ष अदालत का फैसला कहता है कि किसी भी हिरासत में लिए गए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की समय–सीमा, गिरफ्तारी के औपचारिक रिकॉर्ड से नहीं, बल्कि हिरासत में लिए जाने वाले पल से ही शुरू हो जाती है। सही मायने में, यह निर्णय आम भारतीय की संवैधानिक स्वतंत्रता की समयोचित पुष्टि ही है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह फैसला एक स्पष्ट संदेश देता है कि पुलिस मौलिक अधिकारों से बचने के लिये प्रक्रियाओं में हेरफेर नहीं कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 22(2) के उद्देश्य से हिरासत और गिरफ्तारी के बीच किए गए बनावटी अंतर को खारिज करते हुए, सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने एक गंभीर खामी को दूर किया है। इस खामी का लाभ उठाकर ही जांच व प्रवर्तन एजेंसियां लोगों को बिना किसी त्वरित न्यायिक निगरानी के हिरासत में रख सकती थीं। दरअसल, नशीले पदार्थों से जुड़े एक मामले में हिरासत में लिए गए चार लोगों से जुड़े इस प्रकरण ने, हिरासत में लेने और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच 18 घंटे के अंतराल की विसंगति को उजागर किया है। जिसका कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया गया था। वास्तव में गिरफ्तारी दिखाने में की गई यह देरी पुलिस को मनमाने ढंग से ताकत के इस्तेमाल और हिरासत में दुर्व्यवहार का मौका देती है। इसमें दो राय नहीं कि अक्सर आरोप लगते हैं कि गिरफ्तार व्यक्ति से मारपीट की गई और लंबी पूछताछ की गई। निस्संदेह, यह स्थिति भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली की छवि पर एक सवालिया निशान लगाती है। हमारा संविधान किसी भी व्यक्ति को न्यायिक जांच के बगैर हिरासत में रखे जाने के खिलाफ सुरक्षा की गारंटी तो देता है, लेकिन यह सुरक्षा जांच अधिकारियों के रहमो–करम के भरोसे नहीं रह सकती है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत को दो टूक शब्दों में कहना पड़ा कि किसी को हिरासत में लिये जाने की 24 घंटे की समय सीमा में केवल मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में लगने वाले उचित समय को ही घटाया जा सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि मजिस्ट्रेटों को भी स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे हिरासत में लिए जाने के वास्तविक समय को ही दर्ज करें। साथ ही यह भी कि वे स्वतंत्र रूप से इस बात की जांच करें कि क्या किसी व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया में संवैधानिक सुरक्षा उपायों का पालन वास्तविक रूप से किया गया है। इसके साथ ही जरूरी है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण भी स्वतंत्रता के गैर–कानूनी हनन के खिलाफ एक कानूनी प्रभावी उपाय बना ही रहना चाहिए।

शंकर देवी इंटर कॉलेज में रंगोली और दीप प्रतियोगिता हुई



बस्ती। नगर बाजार स्थित भगवती प्रसाद शंकर देवी इंटर कॉलेज में रंगोली और दीप प्रतियोगिता हुई। इसमें कक्षा 1 से 12 तक की छात्राओं ने भाग लिया। विद्यालय ने प्रतियोगिता में शामिल छात्राओं की सूची तैयार की। इसका उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मकता और कला कौशल को बढ़ावा देना और भारतीय कला–संस्कृति में उनकी रुचि बढ़ाना है। कक्षा 1 से आराध्या और श्रेया, कक्षा 2 से मानवी और अनुष्का, कक्षा 3 से सौम्या, रानी, गौरी और अंजली ने भाग लिया। कक्षा 4 से अनाविया, मानवी, प्रिया और पलक शामिल हुईं। कक्षा 5 से महिमा, लक्ष्मी और स्नेहल ने हिस्सा लिया। कक्षा 6 से साक्षी यादव, शगुनी, अनन्या, रिया, स्वर्णिमा, निशा और पलक शामिल हुईं। कक्षा 7 से आर्या मिश्रा, मुस्कान और निशा मौर्या ने भाग लिया। कक्षा 8 से अनामिका मिश्रा, अंकिता शर्मा, नव्या शर्मा और आरोही शामिल रहीं। कक्षा 9 से नैन्सी वर्मा, संध्या यादव, दिव्या और शालिनी ने भाग लिया। कक्षा 10 से तन्या, साक्षी, शालू, सोनाली, काजल्य, काजल, माहि और महिमा शामिल हुईं। कक्षा 11 से हर्षिता, नैना, पंचल मिश्रा, लक्ष्मी, पूजा, अंजू, शिल्पा, प्रीति, दीपाली और शिवानी ने हिस्सा लिया। कक्षा 12 से खुशबू सोनी और दिव्या ने भाग लिया। विद्यालय की प्रबंधकीय और शैक्षणिक व्यवस्था की जिम्मेदारी प्रबंधक राम जी कसौधन, प्रधानाचार्य सूरज कसौधन, डायरेक्टर एलपी गुप्ता और उपप्रधानाचार्य विजय मिश्रा संभाल रहे हैं। विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़े शिक्षक–शिक्षिकाओं में दिलीप कुमार, राम गोपाल, मुनेन्द्र अहमद, तौफीक अहमद, आशा सिंह, साधना पाण्डेय, अंकिता उपाध्याय, पूजा गुप्ता, रामफेर चौहान, दुर्गा प्रसाद, संजय यादव, प्रीति यादव, सुनील कुमार, कन्हैयालाल, सिंकू मौर्य, धर्मवीर, खुशबू देवी, दिव्या वर्मा, माजिदा खातून, संतोष, संध्या गौतम और दिलीप अग्रहरी शामिल हैं। विद्यालय का उद्देश्य पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए उनके विकास को प्रोत्साहित करना है।

जंगली हाथियों ने किसान की गन्ने की फसल रौंदी

बहराइच। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग की सुजौली रेंज के त्रिलोकी गौढ़ी गांव में 6 से 7 जंगली हाथियों का झुंड खेतों में घुसकर फसलें रौंद रहा है। ताजा घटना में हाथियों ने किसान परशुराम पुत्र बुद्धा की करीब 3 से 4 बीघा गन्ने की फसल बर्बाद कर दी। ग्रामीणों के मुताबिक, हाथी जंगल से निकलकर गांव के आसपास पहुंचते हैं और गन्ने समेत दूसरी फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पहले हुए नुकसान का मुआवजा किसानों को अब तक नहीं मिला है। इससे पहले हाथियों ने परशुराम पुत्र बुद्धा, संजय पुत्र छोटेलाल, विनोद पुत्र राजेश और तोताराम पुत्र अंबर की फसलों को नुकसान पहुंचाया था। हालिया घटना में परशुराम पुत्र बुद्धा, जुग्गी पुत्र रामदास और अनुपम पुत्र परशुराम समेत अन्य किसानों की फसलें भी प्रभावित हुई हैं। किसानों का कहना है कि फसल नुकसान से जुड़े कागजात सुजौली के वन विभाग रेंज कार्यालय में जमा कर दिए गए हैं। उनका दावा है कि करीब दो साल से मुआवजे का इंतजार है, लेकिन अब तक आर्थिक सहायता नहीं मिली। सूचना मिलने पर वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। वनकर्मियों ने किसानों को मुआवजा दिलाने का भरोसा दिया। वन क्षेत्राधिकारी नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि नुकसान की जानकारी मिलने पर वनकर्मियों को मौके पर भेजा गया।

उप कृषि निदेशक ने कृषि योजनाओं और यंत्रों की जानकारी दी



बस्ती। जिले के कप्तानगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत पोखरा में खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों की जागरूकता बैठक हुई। उप कृषि निदेशक अशोक कुमार ने किसानों को पराली प्रबंधन और कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। अशोक कुमार ने किसानों से फसल अवशेष यानी पराली खेत में नहीं जलाने की अपील की। उन्होंने बताया कि पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर असर पड़ता है और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि धान की कटाई के बाद बचे फसल अवशेषों को खेत में ही उपयोगी बनाया जा सकता है। कृषि यंत्रों की मदद से पराली को मिट्टी में मिलाने और उसका इस्तेमाल करने के तरीके भी बताए। आधुनिक कृषि यंत्रों से मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और खेती की लागत कम करने में मदद मिल सकती है। बैठक में फसल बीमा योजना, खाद–बीज की उपलब्धता और किसानों के हित में चलाई जा रही अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई। कृषि यंत्रों पर मिलने वाली सुविधाओं और खेती में नई तकनीक अपनाने के बारे में भी बताया गया। इस दौरान एडीओ एजी अरुण कुमार पटेल, सलाहकार अजीत त्रिपाठी, बीटीएम राजेश ओझा, कृषि तकनीकी सहायक आलोक कुमार, उत्कर्ष प्रसाद और साधना वर्मा मौजूद रहे। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बुधेश सिंह, बब्बू गुप्ता, रजब अली, जितेंद्र और क्षेत्र के कई किसान भी बैठक में शामिल हुए। कृषि विभाग ने यह अभियान किसानों को पराली प्रबंधन के प्रति जागरूक करने, सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए आयोजित किया।

उप राष्ट्रपति के आगमन से दीप प्रज्ज्वलन तक मजिस्ट्रेटों को कमान

अयोध्या। दीपोत्सव के प्रमुख आयोजनों को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने स्थलों के हिसाब से जिम्मेदारियां बांट दी हैं। उप राष्ट्रपति के आगमन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रमों को देखते हुए एयरपोर्ट से श्रीरामजन्मभूमि परिसर, नया घाट, रामकथा पार्क और राम की पैड़ी तक अधिकारियों की तैनाती की गई है। पांच नवंबर को जारी संशोधित आदेश में आयोजन स्थलों, शोभायात्रा, अतिथि दीर्घाओं और यातायात व्यवस्था की निगरानी के लिए अलग–अलग मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं।रामकथा पार्क में मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह संपूर्ण व्यवस्था की कमान संभालेंगे। मंच, विशिष्ट अतिथि दीर्घा, संत समाज और मीडिया गैलरी की व्यवस्थाओं के लिए अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। राम की पैड़ी पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार भट्ट आयोजन की निगरानी करेंगे। मुख्यमंत्री के मंच, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संत समाज की दीर्घा और अतिथियों के बैठने की व्यवस्था अलग–अलग अधिकारियों के जिम्मे रहेगी। दीप प्रज्ज्वलन से संबंधित समस्त कार्य अपर जिलाधिकारी नगर एवं मेलाधिकारी दिनेश के नेतृत्व में होंगे।विशिष्ट अतिथियों के आगमन से लेकर दर्शन–पूजन और कार्यक्रम स्थलों तक आवागमन के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है। एयरपोर्ट पर अपर जिलाधिकारी कौशल कुमार अतिथियों के आगमन और प्रस्थान की जिम्मेदारी संभालेंगे। अपर नगर आयुक्त भारत और डिप्टी कलेक्टर गजेंद्र सिंह एयरपोर्ट से नया घाट होते हुए श्रीराम जन्मभूमि परिसर तक मार्ग व्यवस्था और शांति व्यवस्था की निगरानी करेंगे। साकेत महाविद्यालय बंधा तिराहे से रामकथा पार्क तक निकलने वाली शोभायात्रा की जिम्मेदारी मुख्य राजस्व अधिकारी गजेंद्र कुमार को दी गई है। उनके साथ जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी और अन्य अधिकारी यात्रा के अलग–अलग हिस्सों में व्यवस्थाएं संभालेंगे।नया घाट स्थित सरयू आरती स्थल की संपूर्ण व्यवस्था अपर जिलाधिकारी प्रशासन विशु राजा और उप जिला मजिस्ट्रेट पवन कुमार शर्मा संभालेंगे। यातायात व्यवस्था अपर जिलाधिकारी इंद्राकांत द्विवेदी के जिम्मे रहेगी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि दीपोत्सव में श्रद्धालुओं और अतिथियों की सुविधा तथा सुरक्षा प्राथमिकता है।

बाहर का दीप तभी सार्थक, जब हर भारतीय के हृदय में जले राम के आदर्शों का दीप-सतीशाचार्य

अयोध्या का स्वरूप करा रहा त्रेतायुग के उल्लास का दिग्दर्शन–शशिकांत दास

अयोध्या। अयोध्या में दीपोत्सव 2026 की भव्यता इस बार फिर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। प्रभु श्रीराम की नगरी 30 लाख दीपों से जगमगाने के लिए तैयार है। घाटों से लेकर प्रमुख मार्गों और धार्मिक स्थलों तक रोशनी, सजावट और सांस्कृतिक आयोजनों की तैयारियां रामनगरी को एक अलग ही स्वरूप दे रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दीपोत्सव ने जिस तरह वैश्विक पहचान बनाई है, वह उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई ऊंचाई देने का उदाहरण बन रहा है। दीपोत्सव के भव्य स्वरूप और तैयारियों को देखने जगतगुरु स्वामी सतीशाचार्य अयोध्या पहुंच चुके हैं। दीपोत्सव के धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर अपने विचार रखते हुए जगतगुरु स्वामी सतीशाचार्य ने कहा कि जिस तरह त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम के आगमन पर अयोध्या दीपों से जगमगा उठी थी। सूर्यवंश के राजा प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में दीपावली का विशेष महत्व है। बाहर का दीप तभी सार्थक है, जब भीतर ध्यान का दीप जले। दीपोत्सव की वास्तविक सफलता तब होगी, जब प्रत्येक भारतीय के हृदय में प्रभु श्रीराम के आदर्शों का दीप प्रज्ज्वलित हो। उनका यह संदेश दीपोत्सव की भव्यता को आध्यात्मिक अर्थ भी देता है।दीपोत्सव की भव्यता और अयोध्या के बदले स्वरूप की शशिकांत दास ने भी सराहना की। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास की चौपाई अवधपुरी प्रभु आवत जानी। भई सकल सोभा कै खानीध का जिक्र करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम के आगमन की सूचना मात्र से पूरी अवधपुरी आनंद और प्रसन्नता से भर उठी थी।संत शशिकांत दास ने रामचरितमानस की चौपाई राम राज बैठे त्रिलोका। हरषित भए गए सब सोकाध और श्बयरु न कर काहू सन कोई। राम प्रताप बिषमता खोईध का उल्लेख करते हुए कहा कि रामराज्य की परिकल्पना प्रेम, सद्भाव, समानता और सामाजिक समरसता पर आधारित है। प्रभु श्रीराम के आदर्श आज भी समाज को सही दिशा दिखाने की क्षमता रखते हैं।संत आकाश दास ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले युवाओं के बीच धर्म, सनातन और संस्कृति को लेकर असमंजस की स्थिति थी। युवा सांस्कृतिक जड़ों और मूल उद्देश्यों से दूर होते जा रहे थे। ऐसे समय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेवनहार की भूमिका निभाते हुए युवाओं को अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया।

सात समंदर पार गूंजा दीपोत्सव

अयोध्या। मलेशिया में दिवाली की तैयारियां देखीं तो मन में अयोध्या को देखने की इच्छा जाग उठी। रामनगरी के दीपोत्सव की भव्यता के बारे में सुना तो सात समंदर पार ऑस्ट्रेलिया से यहां चले आए। अब राम की पैड़ी पर बैठकर शेन दीपोत्सव की तैयारियों को निहारते हैं तो उनकी आंखों में चमक और चेहरे पर प्रसन्नता देखते ही बनती है। सड़कों पर बिखरी रोशनी, जगमगाते चौक, एलईडी स्क्रीन, दीपों की सजावट और धार्मिक–सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजी अयोध्या उन्हें किसी अद्भुत संसार जैसी प्रतीत हो रही है। शेन के शब्दों में, अयोध्या का यह अनुभव अद्भुत और अविश्वसनीय है।ऑस्ट्रेलिया निवासी शेन भारत की आध्यात्मिक यात्रा पर निकले हैं। इससे पहले वह मलेशिया में थे, जहां भारतीय समुदाय के बीच दिवाली की तैयारियां देखकर उन्हें इस पर्व और अयोध्या के दीपोत्सव के बारे में जानकारी मिली। शेन ने बताया कि मलेशिया में ही अयोध्या की चर्चा सुनी थी। इसके बाद रामनगरी में दिवाली किस तरह मनाई जाती है, यह देखने की इच्छा हुई। अयोध्या आकर बहुत अच्छा लगा। यहां का वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर है। रामनगरी की सड़कों पर सजी रोशनी और चौक–चौराहों पर दिखाई दे रही सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी शेन को खूब भा रही हैं। लता मंगेशकर चौक की भव्य सजावट, एलईडी स्क्रीन पर दिखाई जा रही झलकियां और विभिन्न स्थानों पर प्रस्तुत किए जा रहे धार्मिक एवं लोकनृत्य अयोध्या की सांस्कृतिक विविधता को जीवंत कर रहे हैं। शेन के अनुसार अयोध्या बहुत सुंदर शहर है और यहां का वातावरण मन को सुकून देने वाला है।

धनतेरस के साथ पांच दिवसीय दीपोत्सव शुरू, बाजारों में पहुंचे ग्राहक

उरई/जालौन। जालौन के कोंच में शुक्रवार को धनतेरस के साथ पांच दिवसीय दीपोत्सव शुरू हो गया। त्योहार के चलते बाजारों में रौनक बढ़ गई है। सर्राफा, बर्तन, क्रॉकरी, कपड़ा और इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानों के साथ ऑटोमोबाइल शोरूम में भी ग्राहक खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं। पर खरीदारी की परंपरा को देखते हुए व्यापारियों को पिछले साल से ज्यादा कारोबार की उम्मीद है। दुकानदारों और शोरूम संचालकों ने त्योहार के लिए खास तैयारियां की हैं। ग्राहकों की भीड़ संभालने के लिए अतिरिक्त स्टाफ लगाया गया है। कई दुकानदार देर रात तक दुकानें खोलेंगे। बाजारों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा और यातायात के इंतजाम किए हैं। सर्राफा बाजार में नवीन ज्वैलर्स और प्रभंजन ज्वैलर्स के संचालक नवीन और प्रभंजन ने बताया कि इस बार पारंपरिक आभूषणों के साथ हल्के वजन की ज्वेलरी भी ग्राहकों को पसंद आ रही है। धनतेरस के लिए सोने–चांदी के सिक्के, लक्ष्मी–गणेश की मूर्तियां, नेकलेस सेट और अंगूठियों की खास रेंज रखी गई है। महंगाई के बावजूद सोने–चांदी में निवेश को लेकर ग्राहकों का रुझान बना हुआ है। बर्तन बाजार में बर्तन भंडार के संचालक अमित नगाइच और चंद्रशेखर ने बताया कि धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा के चलते हर साल ग्राहकों की भीड़ रहती है। इस बार स्टील के साथ तांबे, पीतल और कांसे के बर्तनों की मांग है। दुकानों पर आधुनिक डिजाइन की क्रॉकरी और डिनर सेट की कई वैरायटी भी उपलब्ध हैं। ऑटोमोबाइल कारोबारी देवेंद्र ने बताया कि धनतेरस पर वाहन खरीदना शुभ माना जाता है। कारों और दोपहिया वाहनों की डिलीवरी के लिए खास तैयारियां की गई हैं। पेट्रोल वाहनों के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटरों को लेकर भी युवाओं में उत्साह है।

विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ने जिला कारागार का साप्ताहिक निरीक्षण किया

उरई/जालौन। शुक्रवार दोपहर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मनाली चन्द्रा ने जिला कारागार का साप्ताहिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अलग–अलग बैरकों का भ्रमण कर बंदियों से बातचीत की। इसके साथ ही उनकी समस्याओं, मुकदमों की पैरवी और उपलब्ध कराई जा रही विधिक सहायता की जानकारी ली। उन्होंने जेल प्रशासन को बंदियों के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सचिव ने मुलाकाती स्थल पर बंदियों को उनके परिजनों से मिलते हुए देखा। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि ऐसे बंदियों की सूची तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए, जिनकी जमानत सक्षम न्यायालय से मंजूर हो चुकी है, लेकिन जमानतगीर नहीं मिलने के कारण वे जेल से रिहा नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा ऐसे बंदियों की रिहाई के लिए प्रभावी पैरवी की जाएगी। आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों की जमानत राज्य की ओर से जिला अधिकार प्राप्त समिति के माध्यम से कराने की कार्रवाई भी की जाएगी। सचिव ने बंदियों से उनके मुकदमों की पैरवी, निजी अधिवक्ता की उपलब्धता और विधिक सलाह के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन बंदियों के पास निजी अधिवक्ता नहीं हैं या न्यायालय में उनकी प्रभावी पैरवी नहीं हो पा रही है, उन्हें नियमानुसार निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। महिला बंदियों और उनके साथ रह रहे बच्चों के स्वास्थ्य, चिकित्सा, खानपान समेत अन्य सुविधाओं की भी जानकारी ली। मुलाकाती क्षेत्र में परिजनों की सहायता के लिए स्थापित लीगल एड हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया। बंदियों से समस्याएं पूछीं, लेकिन उन्होंने कोई समस्या नहीं बताई। इसके बाद लीगल सर्विसेज डे एवं प्ली बार्गेनिंग विषय पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। इसमें मनाली चन्द्रा ने बताया कि संविधान का अनुच्छेद 39ए गरीब और कमजोर वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने और सभी को समान न्याय दिलाने का प्रावधान करता है। वहीं, अनुच्छेद 14 और 22(1) भी कानून के समक्ष समानता और कानूनी संरक्षण सुनिश्चित करते हैं। असिस्टेंट एलएडीसी अभिषेक पाठक ने प्ली बार्गेनिंग के बारे में बताया कि इसके माध्यम से लंबी न्यायिक प्रक्रिया से बचा जा सकता है। इससे न्यायालय के समय और संसाधनों की भी बचत होती है। भारत में आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम 2005 के माध्यम से इसकी शुरुआत हुई थी।

संक्षिप्त खबरें

उपजिलाधिकारी और उप जिला जनगणना अधिकारी ने किया जनगणना प्रशिक्षण का समापन

बहराइच। नानपारा के सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल में जनगणना 2027 के प्रशिक्षण का चौथा चरण पूरा हुआ। उपजिलाधिकारी और उप जिला जनगणना अधिकारी प्रकाश सिंह तथा चार्ज अधिकारी और तहसीलदार विकास कुमार की मौजूदगी में प्रशिक्षण का समापन हुआ। फील्ड ट्रेनर्स ने प्रगणकों और सुपरवाइजरों को जनगणना की प्रक्रिया और ऐप के जरिए काम करने की जानकारी दी। प्रकाश सिंह ने सभी से जनगणना का काम पूरे मन से करने और 16 से 30 नवंबर तक ज्यादा से ज्यादा लोगों से स्व–गणना कराने को कहा। विकास कुमार ने सभी को जनगणना का काम बिना गलती और निष्ठा से करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधक आनंद पोद्दार, पंकज मिश्रा, जिला मास्टर ट्रेनर अमित पाण्डेय और फील्ड ट्रेनर प्रेमलता रंजन, सिंपला यादव, रेनू मौर्य, चंद्रराज, रमेश चंद्र पाण्डेय, दिनेश कुमार, केहर पटेल, रघुबर पाठक, राम रघुवंशमणि, चंद्र प्रकाश तिवारी, सत्य प्रकाश वर्मा, पूजा रावत, अजय यादव, जितेंद्र सिंह और अस्मिता वर्मा मौजूद रहे। तहसील से देवेंद्र श्रीवास्तवत और तकनीकी सहायक निखिल विश्वकर्मा भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

पशुपालकों और पैरावेट्स को मिला प्रशिक्षण

बहराइच। महसी ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को पशुपालन विभाग ने प्रशिक्षण कार्यक्रम किया। इसमें पशु चिकित्साधिकारी, पशुधन प्रसार अधिकारी, पैरावेट, पशुमित्र और स्थानीय पशुपालक शामिल हुए। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने पशुओं में होने वाली मौसमी बीमारियों और उनसे बचाव के तरीके बताए। उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (महसी) डॉ. राम सजन, तेजवापुर के डॉ. सुरेश चंद्रा, डॉ. जगेंद्र वर्मा और डॉ. राहुल दीक्षित ने पशुपालकों, पैरावेट और पशुमित्रों को संबोधित किया। डॉक्टरों ने बताया कि मौसम बदलने पर पशुओं में बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचाव के लिए समय पर टीकाकरण और उचित देखभाल जरूरी है। कार्यशाला में थनैला रोग से बचाव और आपातकालीन पशु चिकित्सा सेवा 'दयाल 1962' के बारे में भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि इस सेवा के जरिए पशुपालक घर बैठे बीमार पशुओं के लिए चिकित्सा सुविधा ले सकते हैं। पशुओं के असमय नुकसान पर आर्थिक राहत के लिए 'पशुधन बीमा योजना' के फायदे भी बताए गए। पशुपालकों को योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर पशुधन प्रसार अधिकारी राम निवास और प्रभाकांत, पैरावेट बरसाती लाल और मणिकांत त्रिपाठी मौजूद रहे। शिविर में पशुपालक राजू, रवि कुमार, पूनम और माला सहित क्षेत्र के पशुमित्र और ग्रामीण शामिल हुए।

धनतेरस पर वाहनों की खूब हुई बुकिंग

बस्ती। जिले में धनतेरस पर जिले के ऑटोमोबाइल सेक्टर में तेजी देखने को मिली। शुभ मुहूर्त में नया वाहन खरीदने की परंपरा के चलते दोपहिया और चारपहिया वाहनों की खरीदारी के लिए सुबह से ही एजेंसियों पर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। अपनी पसंद और बजट के अनुसार लोगों ने वाहनों की बुकिंग और खरीदारी की। इससे ऑटोमोबाइल कारोबारियों के चेहरे खिल उठे। हरदिया चौराहा स्थित मारुति सुजुकी शोरूम में ही धनतेरस पर 60 वाहनों की बुकिंग हुई, 10 करोड रुपए से अधिक के ये वाहन हैं। शोरूम के प्रबंधक आरके वर्मा ने बताया कि बुकिंग के सापेक्ष ग्राहकों को धीरे–धीरे वाहनों की डिलीवरी दी जा रही है। त्योहार के मौके पर ग्राहकों में वाहन खरीदने को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। धनतेरस को नई वस्तुओं और वाहनों की खरीदारी के लिए शुभ माना जाता है। इसी मान्यता के चलते लोग परिवार के साथ वाहन एजेंसियों पर पहुंचे। ग्राहकों ने अपनी पसंद के मॉडल, रंग और फीचर्स की जानकारी लेने के बाद वाहन खरीदने का निर्णय लिया। कई लोगों ने पहले से बुकिंग करा रखी थी, जबकि कुछ ग्राहकों ने मौके पर ही वाहन पसंद कर खरीदारी की। वाहन खरीदने वाले परिवारों में भी खास उत्साह दिखाई दिया। नई गाड़ी घर ले जाने की खुशी उनके चेहरों पर साफ नजर आई। एजेंसियों पर वाहन की चाबी मिलने के बाद ग्राहकों ने प्रसन्नता जताई, यही हाल जिले की अन्य एजेंसियों का भी है।

राजेश कुमार सिंह बार एसोसिएशन अध्यक्ष चुने गए

बहराइच। आदर्श बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में राजेश कुमार सिंह अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने राजेंद्र प्रसाद वर्मा को 6 मतों से हराया। मिहींपुरवा (मोतीपुर), बहराइच की तहसील परिसर में हुए चुनाव में राजेश कुमार सिंह को 39 और राजेंद्र प्रसाद वर्मा को 33 मत मिले। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर राजीव कुमार सिंह जीते। कनिष्ठ सदस्य के तीन पदों पर अतुल शुक्ला, गौरव श्रीवास्तव और भैरव नाथ चुने गए। नतीजे घोषित होने के बाद अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। चुनाव में सभी प्रत्याशियों ने हिस्सा लिया। अधिवक्ताओं ने जीत और हार को सहजता से स्वीकार करते हुए संगठन की एकजुटता और अधिवक्ताओं के हितों को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्हें उम्मीद है कि नए पदाधिकारी संगठन को मजबूत करने और अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए काम करेंगे।

ग्राम रोजगार सेवकों ने पेरोल आदेश का किया विरोध

बहराइच। जिले के शिवपुर ब्लॉक में ग्राम रोजगार सेवकों ने पेरोल व्यवस्था बदलने के आदेश का विरोध किया है। आदेश के तहत अब उन्हें ग्राम प्रधान, प्रशासक और ग्राम पंचायत सचिव से पेरोल लेना होगा। शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे ग्राम रोजगार सेवक संघ की शिवपुर शाखा के ब्लॉक अध्यक्ष राम सिंह चौहान और ब्लॉक महामंत्री सिराज अहमद के नेतृत्व में चार दर्जन से अधिक सेवकों ने खंड विकास अधिकारी आलोक कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आदेश वापस लेने की मांग की। संघ ने चेतावनी दी है कि एक सप्ताह के भीतर आदेश वापस नहीं हुआ तो शिवपुर ब्लॉक समेत जिले के ग्राम रोजगार सेवक ब्लॉक मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन करेंगे।



सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).

कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक



हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.



थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना.



डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

रामायणम' की पहले दिन वर्ल्डवाइड कमाई 155 करोड़ के पार, दिवाली से पहले बनाया नया रिकॉर्ड



दिवाली से पहले सिनेमाघरों में दर्शकों की कम भीड़ रहने की धारणा को तोड़ते हुए 'रामायणम पार्ट वन' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है। 5 नवंबर 2026 को दुनिया भर में रिलीज हुई नितेश तिवारी की इस फिल्म ने पहले ही दिन 155 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया। इस कमाई के साथ फिल्म ने दिवाली से पहले रिलीज होने वाली भारतीय फिल्मों की ओपनिंग के मामले में नया रिकॉर्ड कायम किया है। फिल्म को लेकर रिलीज से पहले ही काफी चर्चा थी और सिनेमाघरों में शुरुआती शोज से ही दर्शकों की अच्छी मौजूदगी देखने को मिली।नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी 'रामायणम' ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 155 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया। मेकर्स के मुताबिक, दिवाली से पहले किसी भारतीय फिल्म की यह अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय महाकाव्य की कहानी को बड़े पैमाने पर पर्दे पर उतारने वाली इस फिल्म को देश ही नहीं, विदेशों में भी दर्शकों के सामने पेश किया गया है। फिल्मों के लिहाज से दिवाली से ठीक पहले का समय अक्सर चुनौतीपूर्ण माना जाता है। इस दौरान लोग त्योहार की तैयारियों में व्यस्त रहते हैं। घरों की सफाई और सजावट से लेकर खरीदारी और यात्रा की योजनाओं तक, कई कामों के चलते लोग सिनेमाघरों में जाने का कार्यक्रम टाल देते हैं। यही वजह है कि इस अवधि में रिलीज होने वाली फिल्मों की ओपनिंग पर असर पड़ता रहा है। लेकिन 'रामायणम' ने इस ट्रेंड को पीछे छोड़ते हुए पहले दिन ही बड़ी संख्या में दर्शकों को सिनेमाघरों तक पहुंचाया। दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, दिवाली के आसपास रिलीज हुई फिल्मों की पहले दिन की सबसे ज्यादा ऑल इंडिया नेट कमाई 40 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 94 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, 'रामायणम' ने पहले दिन 155 करोड़ रुपये की दुनियाभर में ग्रॉस कमाई कर इस आंकड़े को पार कर लिया। फिल्म की शुरुआत ने बॉक्स ऑफिस पर एक नया मानक स्थापित किया है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायणम' को दो भागों में रिलीज करने की योजना है। पहले भाग में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और रवि दुबे मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा और यश के प्रोडक्शन बैनर के सहयोग से किया गया है। पहले दिन की रिकॉर्डतोड़ कमाई के बाद अब फिल्म के आने वाले दिनों के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी।

दीवाली के पटाखों से दूर रहें ये लोग, नहीं तो ट्रिगर हो सकती है आपकी बीमारी



दिवाली पर खुशियों के साथ अपनी और परिवार की सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी है। हममें से ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि आतिशबाजी और पटाखों से निकलने वाला धुआं और रसायन सांस संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। पटाखों को जलाने से फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं और अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, इंटरस्टिशियल लंग डिजीज और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज जैसी बीमारियां और भी गंभीर हो सकती हैं।

पटाखों का धुआं सेहत के लिए बेहद खतरनाक

पटाखों के धुएं में मौजूद बारीक कण और हानिकारक गैसें आंखों, गले और फेफड़ों को प्रभावित कर सकती हैं। इससे खांसी, सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और अस्थमा के मरीजों को ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है। दिवाली पर पटाखों का धुआं हवा के साथ घर के अंदर भी पहुंच सकता है। ऐसे में जब बाहर धुआं ज्यादा हो, तो घर की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें। इससे प्रदूषित हवा का घर में आना कुछ हद तक कम हो सकता है।

जरूर लगाएं मास्क

अगर पटाखों के धुएं के दौरान बाहर जाना जरूरी है, तो अच्छी फिटिंग वाला एन95 या समकक्ष प्रमाणित मास्क पहनें। यह हवा में मौजूद कई बारीक कणों से बचाव करने में मदद करता है। साधारण कपड़े या सर्जिकल मास्क बारीक प्रदूषण कणों से उतनी प्रभावी सुरक्षा नहीं देते। पटाखों के धुएं से आंखों में जलन, खुजली और पानी आने की समस्या हो सकती है। ऐसे में आंखों को धुएं और उड़ती राख से बचाना जरूरी है। पटाखों का धुआं बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर ज्यादा असर डाल सकता है। खासकर छोटे बच्चों के फेफड़े अभी विकसित हो रहे होते हैं। इसलिए दिवाली के दौरान उन्हें पटाखों के धुएं के संपर्क में आने से बचाएं।

इन लोगों को सावधान रहने की जरूरत

पटाखों के धुएं से अस्थमा और सांस संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में अस्थमा के मरीजों को पहले से सावधानी बरतनी चाहिए। प्रदूषण के संपर्क में आने से गले में सूखापन और जलन महसूस हो सकती है। ऐसे में पर्याप्त पानी पीना जरूरी है। पानी पीने से शरीर में तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। ऐसे में दिनभर पर्याप्त पानी पिएं। दिवाली पर पूजा–पाठ के दौरान धूप, अगरबत्ती और कपूर का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इनसे भी घर के अंदर धुआं और बारीक कण बढ़ सकते हैं। इसलिए अगर बाहर पहले से प्रदूषण ज्यादा है, तो घर के अंदर अतिरिक्त धुआं पैदा करने वाली चीजों का इस्तेमाल सीमित रखें।

पटाखों के धुएं से बचने के लिए इन गलतियों से भी बचें

–प्रदूषण ज्यादा होने पर खुले में एक्सरसाइज न करें।
–धुएं से बचने के लिए केवल साधारण कपड़े का मास्क न पहनें।
–घर में सिगरेट, धूप और अगरबत्ती का धुआं न बढ़ाएं।
–आंखों में जलन होने पर उन्हें बार–बार न रगड़ें।
–सांस की परेशानी होने पर घरेलू नुस्खों के भरोसे इलाज में देरी न करें।

एक ही मंच पर सीएम विजय के साथ फिर दिखीं एक्ट्रेस त्रिशा कृष्णन... शादी रिसेप्शन में दोनों की तस्वीरें वायरल



चेन्नई में राजनेता वाईएस अनिल रेड्डी की बेटी के शादी के रिसेप्शन में गुरुवार, 5 नवंबर को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय और उनकी दोस्त व अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन शामिल हुईं। अनिल रेड्डी, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी के चचेरे भाई हैं। चेन्नई के द लीला पैलेस में आयोजित इस रिसेप्शन के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। विजय और त्रिशा को मंच पर जाकर नवविवाहित जोड़े, श्रेया और उज्ज्वल को बधाई देते और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते देखा गया। विजय ने सफेद शर्ट के साथ भूरे रंग का सूट पहना था, जबकि त्रिशा ने हल्के गुलाबी रंग की साड़ी पहनी थी। विजय की मां, शोभा चंद्रशेखर भी उनके साथ इस कार्यक्रम में मौजूद थीं। एक वीडियो में, विजय को जगन मोहन रेड्डी के साथ बातचीत करते और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते देखा जा सकता है। जगन अपनी पत्नी वाईएस भारती के साथ शादी समारोह में शामिल हुए। इस जोड़े ने नवविवाहितों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखी व शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। जगन की मां, वाईएस विजयम्मा भी वहां मौजूद थीं। शादी में जाने–माने उद्योगपति गौतम अडानी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव भी अपनी पत्नी शलिमा के साथ मेहमानों के रूप में शामिल हुए। इनके अलावा कई अन्य राजनीतिक और व्यावसायिक हस्तियां तथा परिवार के सदस्य भी इस समारोह में मौजूद थे। विजय और त्रिशा, जो शलियोश सहित कई फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं, जब भी किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में एक साथ नजर आते हैं, तो अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं। इससे पहले, मार्च में चेन्नई में उद्यमी और फिल्म निर्माता कलपति एस. सुरेश और मीनाक्षी सुरेश के बेटे के शादी के रिसेप्शन में भी इन दोनों को एक साथ देखा गया था। यह घटना विजय की पत्नी संगीता द्वारा तलाक की अर्जी दाखिल करने के कुछ समय बाद हुई थी। बाद में संगीता ने अपना केस वापस ले लिया था। मई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में विजय के शपथ ग्रहण समारोह में भी त्रिशा उनके परिवार के साथ शामिल हुई थीं। बाद में सितंबर में, उन्हें यूनाइटेड किंगडम के सिल्वरस्टोन सर्किट में उनके साथ देखा गया, जहाँ अभिनेता अजित कुमार ने मिशेलिन ले मैन्स कप में हिस्सा लिया था।

अमिताभ बच्चन के जलसा से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज तक बम की धमकी, मुंबई में मचा हड़कंप– हाई अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां



दिवाली से पहले मुंबई में कई अहम जगहों बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा, बॉम्बे हाई कोर्ट और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) – को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे शहर को अलर्ट पर रखा गया है। कोर्ट को एक धमकी भरा ईमेल मिला है, जिसमें इन तीन जगहों के अलावा वर्ली रेसकोर्स पर भी बम हमले की चेतावनी दी गई है। धमकी मिलने के बाद, मुंबई पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ईमेल भेजने वाले का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया गया है। गौरतलब है कि यह अमिताभ बच्चन को निशाना बनाने वाली दूसरी धमकी है। 22 अक्टूबर को शहर के एक स्कूल को एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया था, जिसमें इस दिग्गज अभिनेता का नाम लिया गया था। उस समय, अधिकारियों ने स्पष्ट किया था कि बच्चन को कोई सीधी धमकी नहीं मिली थी। इस घटना के बाद, रविवार को मुंबई स्थित अपने घर के बाहर अमिताभ बच्चन का हमेशा की तरह लोगों के सामने आना कुछ अलग रहा – वे एक सुरक्षात्मक कांच की दीवार के पीछे खड़े थे, और उनके साथ उनके बेटे अभिषेक बच्चन भी मौजूद थे। इस नजारे को देखते हुए, ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप करने की मांग की और बॉलीवुड सितारों तथा उनके परिवारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। ये ताजा घटनाएं मशहूर हस्तियों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच सामने आई हैं। इससे पहले 18 अक्टूबर को अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। केवल इसी हफ्ते, अभिनेता तुषार कपूर और आयुष्मान खुराना को बिश्नोई गैंग के नाम से धमकियां मिलीं। पुलिस अभी भी इन धमकियों की सच्चाई का पता लगाने की कोशिश कर रही है। बुधवार को मुंबई क्राइम ब्रांच ने बेंगलुरु के रहने वाले एक 30 वर्षीय आई इंजीनियर को गिरफ्तार किया, जिसने कपूर और खुराना को धमकियां भेजी थीं। शुरुआती जांच में बिश्नोई गैंग के साथ उसके किसी भी तरह के संबंध का कोई सबूत नहीं मिला है।

मशहूर कॉमेडियन को बड़ा झटका, रेप और यौन उत्पीड़न के मामलों में दोषी करार, सोमवार को सजा का ऐलान

वैरायटी की रिपोर्ट के अनुसार, लंदन में चले एक आपराधिक मुकदमे में पूर्व अभिनेता और कॉमेडियन रसेल ब्रांड को यौन उत्पीड़न के तीन मामलों और बलात्कार के एक मामले में दोषी ठहराया गया है। गुरुवार को लंदन की साउथवार्क क्राउन कोर्ट की जूरी ने अपना फैसला सुनाया, जिससे कई दिनों तक चली विचार–विमर्श की प्रक्रिया पूरी हो गई। हालांकि, उन्हें बलात्कार के दो अन्य मामलों और अनुचित हमले के प्रयास के एक मामले में दोषी नहीं पाया गया। डेडलाइन के अनुसार, रसेल ब्रांड ने छह महिलाओं द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। जज जोएल बेनाथन ने रसेल ब्रांड से कहा कि उन्हें कुछ समय के लिए जेल की सजा सुनाई जाएगी, और सोमवार को सजा सुनाए जाने तक उन्हें हिरासत में भेज दिया गया। जज ने फॉरगेटिंग सारा मार्शल स्टार से कहा कि अब उनकी जमानत आगे बढ़ाए जाने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, आपको बलात्कार सहित कई अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया है इसलिए मुझे आपको हिरासत में भेजना पड़ रहा है, क्योंकि सजा सुनने के लिए वापस कोर्ट न आने का प्रलोभन बहुत अधिक हो सकता है। जज ने रसेल ब्रांड की कानूनी टीम और क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस को 20 मिनट का समय दिया, ताकि वे इस पर अपनी बात रख सकें कि क्या जमानत बढ़ाई जानी चाहिए या नहीं। हालांकि, जज ने जमानत बढ़ाने की अर्जी खारिज कर दी। यूके में, बलात्कार के मामले में दोषी पाए जाने पर अपराध की गंभीरता के आधार पर 19 साल तक की जेल या आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। यौन उत्पीड़न के मामले में अधिकतम सजा 10 साल की हो सकती है। श्वैरायटीश के अनुसार, रसेल ब्रांड पर 1999 से 2009 के बीच अलग–अलग जगहों पर तीन महिलाओं के साथ बलात्कार करने का आरोप है। कथित पीड़ितों में से एक ने उन पर ओरल रेप के अलावा यौन उत्पीड़न का भी आरोप लगाया है। उन पर 2001 में एमटीवी के यूके ऑफिस में अश्लील हरकत करने की कोशिश करने और 2009 में यौन उत्पीड़न का एक–एक मामला भी दर्ज है। तीन हफ्ते तक चले ट्रायल के बाद, जूरी को अपना फैसला सुनाने में तीन दिन का समय लगा।

हार्ट अटैक, बीपी, स्ट्रोक... सिर्फ नमक छोड़ने से नहीं होगी ये बीमारियां, हर साल बच सकती है लाखों की जान

एक स्टडी के अनुसार, सामान्य नमक (टेबल सॉल्ट) में मौजूद सोडियम क्लोराइड की कुछ मात्रा को पोटैशियम क्लोराइड से बदलकर बनाए गए श्पोटैशियम–युक्त नमकश के इस्तेमाल से, भारत में हर साल लगभग 4 लाख मौतें और हृदय व किडनी से जुड़ी 15 लाख से अधिक बीमारियों के मामलों को रोका जा सकता है। नेचर हेल्थ जर्नल में प्रकाशित और 193 देशों पर की गई इस स्टडी से पता चला है कि, अगर दुनिया भर में ऐसा किया जाए, तो हर साल लगभग 30 लाख मौतें और हृदय व किडनी से जुड़ी बीमारियों के 1 करोड़ नए मामलों को रोका जा सकता है।

पोटैशियम–युक्त नमक के हैं फायदे

ऑस्ट्रेलिया के द जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के सीनियर प्रोफेसोरियल फेलो, ब्रूस नील ने कहा कि पोटैशियम–युक्त नमक अपनाने से स्वास्थ्य को व्यापक लाभ होंगे। इससे अधिकांश देशों में हृदय संबंधी होने वाली मौतों में से हर 10 में से 1 मौत को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा–बहुत अधिक सोडियम का सेवन करना और पर्याप्त पोटैशियम न लेना, हाई ब्लड प्रेशर के मुख्य कारण हैं। हाई ब्लड प्रेशर स्ट्रोक, हार्ट अटैक और किडनी की बीमारियों जैसी जानलेवा स्थितियों के लिए एक बड़ा जोखिम कारक है। पोटैशियम–युक्त नमक का इस्तेमाल करने से खान–पान से जुड़ी ये दोनों समस्याएं एक साथ हल हो जाती हैं, जिससे स्वास्थ्य को काफी फायदा मिलता है।

डब्लयूएचओ ने भी दी ये सलाह

पोटैशियम–युक्त नमक दिखने, स्वाद में और खाना पकाने में बिल्कुल सामान्य नमक जैसा ही होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) ने सलाह दी है कि सामान्य नमक की जगह कम सोडियम वाले और पोटैशियम युक्त विकल्पों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। डब्लयूएचओ का कहना है कि सोडियम का सेवन कम करना स्वास्थ्य सुधारने और गैर–संचारी रोगों के बोझ को घटाने का एक किफायती तरीका है। हालांकि दुनिया भर में सामान्य नमक की जगह पोटैशियम–युक्त नमक अपनाना एक बड़ा लक्ष्य है, लेकिन यह देशों को इस अवसर के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करने की एक शुरुआत है। इसमें कई दवाओं–आधारित इलाजों की तुलना में कहीं अधिक संभावनाएं हैं और इसकी लागत भी बहुत कम है।

सही नमक से बच सकती है लाखों लोगों की जान

इस स्टडी में कई तरह की स्थितियों का विश्लेषण किया गया–जिसमें पूरी दुनिया में सामान्य नमक की जगह पोटैशियम–युक्त नमक अपनाने से लेकर, केवल उन लोगों के बीच इसका इस्तेमाल करना शामिल है, जिन्हें हाई ब्लड प्रेशर है और जिनका इलाज चल रहा है।

दिवाली की मिठाइयों और जंक फूड का नहीं होगा सेहत पर असर, बस अपनाएं ये टिप्स



दिवाली खुशियों, रोशनी और पकवानों का त्योहार है। इस दौरान मिठाइयों और तली–भुनी चीजों का अधिक सेवन, बदलती दिनचर्या और बढ़ता वायु प्रदूषण सेहत पर असर डाल सकते हैं। ऐसे में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखना बेहद जरूरी हो जाता है। सही खान–पान और कुछ आसान आदतों को अपनाकर आप त्योहारों के मौसम में भी खुद को स्वस्थ रख सकते हैं। आइए जानते हैं, इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए डाइट में किन चीजों को शामिल करना चाहिए। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए डाइट में शामिल करें ये 7 चीजें।

विटामिन–सी से भरपूर फल

विटामिन–सी शरीर के इम्यून सिस्टम को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है। यह एक एंटीऑक्सीडेंट है, जो कोशिकाओं को नुकसान से बचाने और आयरन के अवशोषण में भी सहायक होता है। इसके लिए अपनी डाइट में संतरा, नींबू, आंवला और अमरूद जैसे फल शामिल करें।

विटामिन–ए

यह विटामिन पाचन क्रिया को मजबूत बनाता है और श्वसन संबंधी संक्रमण को कम करता है। विटामिन–ए, दृष्टि के लिए भी आवश्यक है और यह त्वचा की स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। गाजर, पालक और सीताफल जैसी सब्जियां विटामिन–ए का अच्छा स्रोत हैं, जो प्रतिदिन की डाइट में शामिल की जा सकती हैं।

विटामिन–ई

विटामिन–ई शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स की कमी को दूर करता है, जिससे मांसपेशियों में दर्द और तनाव कम होता है। यह हृदय स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाने में सहायक है। त्यौहारों के दौरान थकान से बचने के लिए नट्स और सीड्स का सेवन करें, जो विटामिन–ई के अच्छे स्रोत होते हैं और ऊर्जा को बनाए रखने में मदद करते हैं।

प्रोबायोटिक्स

ये गुड बैक्टीरिया आपकी गट हेल्थ के लिए आवश्यक होते हैं। ये आपके पाचन तंत्र को संतुलित रखते हैं और शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दही, अचार और फर्मेंटेड फूड्स का सेवन करें, जो आपकी इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने में मदद करेंगे और पेट की समस्याओं को दूर रखते हैं।

विटामिन–डी

धूप विटामिन–डी का सबसे अच्छा स्रोत है। यह शरीर के कैल्शियम अवशोषण को बढ़ाता है, जो हड्डियों की मजबूती के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, अपनी डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल करें जो विटामिन–क से भरपूर हों, जैसे कि मछली और अंडे। धूप में समय बिताना न भूलें, खासकर सुबह की धूप, जो आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

जिंक

जिंक की कमी से इम्यून सिस्टम प्रभावित होता है और यह कई शारीरिक क्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह त्वचा और बालों के स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है, और इसके पर्याप्त सेवन से संक्रमण से बचने में मदद मिलती है। मांसाहारी लोग मछली और चिकन का सेवन कर सकते हैं, जबकि शाकाहारी लोग दालों को अपनी डाइट में शामिल करें, जो जिंक का अच्छा स्रोत हैं।

हाइड्रेशन

शरीर में हाइड्रेशन बनाए रखना बेहद जरूरी है, खासकर त्योहारों के दौरान जब खाने–पीने का अधिक सेवन होता है। इसके लिए पानी का सेवन बढ़ाएं और फलों का सेवन करके एक्स्ट्रा हाइड्रेशन प्राप्त करें। ताजे फलों के जूस भी हाइड्रेशन में मदद करते हैं और ऊर्जा प्रदान करते हैं। दिवाली के त्योहार पर मिठाइयां और नमकीन का सेवन सामान्य है, लेकिन इनसे स्वास्थ्य पर प्रभाव न पड़े, इसके लिए ऊपर बताए गए उपायों को अपनाना आवश्यक है। सही आहार और हाइड्रेशन से आप त्योहारों का मजा लेते हुए अपनी इम्यूनिटी को भी मजबूत बना सकते हैं। इस तरह, आप बिना किसी चिंता के दिवाली का आनंद ले सकते हैं और बीमारियों से भी बच सकते हैं।

दिवाली पर इन बातों का भी रखें ध्यान

त्योहारों पर मिठाइयों और नमकीन का आनंद जरूर लें, लेकिन इनका सेवन सीमित मात्रा में करें। संतुलित आहार लें, पर्याप्त नींद लें और नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियां करें। प्रदूषण से बचने के लिए बाहर निकलते समय जरूरी सावधानियां बरतें। इन छोटी–छोटी आदतों से आप त्योहारों के मौसम में अपनी सेहत का बेहतर ध्यान रख सकते हैं।

नोटः यह लेख सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए है। किसी भी तरह के सप्लीमेंट या डाइट में बड़े बदलाव करने से पहले डॉक्टर या योग्य डाइटिशियन की सलाह जरूर लें।

सपा नेता को पितृ शोक

कुंडा–प्रतापगढ़। जेठवारा थाना क्षेत्र के लोकापुर नेवाडी गांव निवासी समाजवादी युवजन सभा के जिला महासचिव प्रेम यादव के पिता सेवानिवृत्ति लखपाल श्रीनाथ यादव 70 वर्ष कि अचानक हृदय गति रुक जाने से शनिवार की सुबह निधन हो गया। निधन की सूचना मिलते ही सपा कार्यकर्ताओ मे शोक छा गया। निधन की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक नागेन्द्र सिंह यादव मुन्ना, विधायक आर के वर्मा, सपा जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी, सपा अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव जयसिंह यादव एडवोकेट, महेन्द्र यादव, बबलू, अखिलेश यादव, सोनू समेत बड़ी संख्या में सिपाहियों व गणमान्य लोगों ने आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम संस्कार श्रृंगवेरपुर घाट पर किया गया।

मृतक सफाई कर्मी की पत्नी को साथी कर्मचारियों ने दी आर्थिक नकद धनराशि



कुंडा–प्रतापगढ़। विकासखंड कालाकांकर में कार्यरत सफाई कर्मचारी मोहम्मद मुस्तकीम 57 वर्ष कि अचानक तबीयत खराब होने पर लखनऊ के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान 1 नवंबर को इंतकाल हो गया था। 7 नवंबर को सभी साथी सफाई कर्मचारियों ने सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पन्नालाल यादव के आवाहन पर एडीओ पंचायत केवला प्रसाद की अगुवाई में मृतक कर्मचारियों के पैतृक आवास नगर पंचायत मानिकपुर पहुंचकर विधवा पत्नी समीम बानो को आर्थिक सहायता के रूप में कर्मचारियों द्वारा एकत्रितकए गए 7000 रुपए नकद धनराशि प्रदान की गई है। इस मौके पर विजय शंकर सोनकर, राम भवन गौतम, धर्मेंद्र चक्रवर्ती शिव चंद्र मौर्य, मनोज कुमार पटेल समेत तमाम कर्मचारी व अधिकारी मौजूद रहे।

संग्रामगढ़ में जुए के अड्डे पर पुलिस की छापेमारी, छह गिरफ्तार

55,195 रुपये नकद, ताश की दो गड्डी और एक मोटरसाइकिल बरामद, कुछ लोग अंधेरे का फायदा उठाकर फरार



कुंडा–प्रतापगढ़। संग्रामगढ़ कस्बा में जुआ खेलने की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर छह लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 55 हजार 195 रुपये नकद, ताश के दो गड्डी और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। कार्रवाई के दौरान कुछ अन्य लोग अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।पुलिस के अनुसार, 6 नवंबर की रात करीब 10:30 बजे थाना प्रभारी सिद्धार्थ सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर संग्रामगढ़ कस्बे में छापेमारी की गई। मौके से सागर तिवारी निवासी संग्रामगढ़, धीरेंद्र कुमार पटेल निवासी चकेढ़ी, गुलशन यादव निवासी विजयीमऊ, हरिलाल पटेल निवासी हिशामपुर, सागर पटेल निवासी जलपा का पुरवा और पंकज कौशल निवासी संग्रामगढ़ को गिरफ्तार किया गया।पुलिस ने सभी छह आरोपियों के खिलाफ थाना संग्रामगढ़ में सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। विधिक कार्रवाई के बाद सभी को जेल भेज दिया गया है।

सड़क पर मिली जहर खाई युवती पुलिस ने सीएचसी में कराया भर्ती

कुंडा–प्रतापगढ़। पारिवारिक कलह से तंग आकर युवती ने जहर खाकर आत्महत्या करने के लिए कुंडा में बेहोशी की हालत में पाए जाने पर पुलिस ने अस्पतालमे भर्ती कराया। हथिगवां थाना क्षेत्र के नौबस्ता गांव निवासिनी स्वाती देवी 32 वर्ष पत्नी यश पांडेय परिजनों से नाराज होकर आत्महत्या करनेघ्के लिए रविवार अपराह्न घर से निकलकर रास्ते में जहरीला पदार्थ खा लिया। ई रिक्शा से बैठकर कुंडा पहुंची, जहां मेंन रोड पर सब्जी मंडी के तबीयत बिगड़ने पर रिक्शे से उतरकर सड़क पर लेट गई। उसको देखने वालों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घोड़ी की हालत में इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे ले जाकर भर्ती कराया। युवती का इलाज चल रहा है, परिजनों को पुलिस ने जानकारी देकर अस्पताल बुलाया है।

धनतेरस पर बाजार में भीड़ उमड़ी,बर्तन, आभूषण दुकानों पर खरीदारी

प्रतापगढ़। धनतेरस पर लक्ष्मीगंज बाजार में सुबह से लोगों की आवाजाही शुरू हुई। शाम तक बाजार में भीड़ बढ़ गई और कई दुकानों पर देर तक खरीदारी चलती रही। बाजार में बर्तन, सोने–चांदी के आभूषण, कपड़े, मिठाई, पूजा सामग्री, लक्ष्मी–गणेश की मूर्तियां, पोस्टर, माला और सजावटी सामान की दुकानें थीं। लोग परिवार के साथ खरीदारी करने पहुंचे। महिलाओं ने साड़ी, सूट और श्रृंगार का सामान खरीदा, जबकि बच्चों ने खिलौने और पटाखे मांगे। दुकानदारों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस बार बिक्री अच्छी रही। बर्तन और पूजा सामग्री की दुकानों पर दिनभर ग्राहकों की लाइन लगी रही। ठेले और अस्थायी दुकानों पर भी लोगों ने खरीदारी की। भीड़ के कारण बाजार की मुख्य सड़क पर जाम लगा। बाइक और साइकिल सवारों के साथ पैदल चलने वालों को निकलने में परेशानी हुई। दुकानदारों ने अपनी दुकानों के बाहर लाइट और झालर लगाई थीं। स्थानीय लोगों ने कहा कि धनतेरस से दीपावली की शुरुआत होती है। बाजार रोशनी से सजा था और लोगों ने एक–दूसरे को धनतेरस की बधाई दी। पुलिस और बाजार समिति ने भीड़ संभालने के लिए व्यवस्था की थी।

पटाखा दुकानदारों के लिए प्रशासन का बना क्लस्टर ध्वस्त, पूर्वत लगेंगी दुकानें

क्लस्टर के अनुसार तहसील क्षेत्र में बाबूगंज, लोसनापुर व देशराज का इंदारा पर निर्धारित है जगह

राजा भैया के प्रयास से दुकानदारों को मिली राहत

कुंडा–प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन ने दीपावली के पर्व पर पटाखा दुकानदारों के लिए कुंडा तहसील क्षेत्र में बिक्री के लिए बनाए गए क्लस्टर के अनुसार बाबूगंज, लोसनापुर व देशराज का इंदारा में उपजिलाधिकारी अजय कुमार यादव ने स्थान निर्धारित करते हुए एक थाना क्षेत्र से 50 दुकान के अस्थाई लाइसेंस दिए गए हैं। शासन–प्रशासन के इस निर्णय से दुकानदारों में निराशा व आक्रोश व्याप्त हो गया। क्योंकि इतने बड़े क्षेत्र के लिए सिर्फ तीन जगह बिक्री के लिए दुकान लगाने का स्थान निर्धारित किया गया है। दुकानदार पहले तो लाइसेंस के लिए एक सप्ताह से भटक रहे थे। एक थाना लगभग एक सौ दुकानें लगा करती थी। इस वर्ष किसी तरह भाग्यशाली 50 दुकानदार लाइसेंस तो प्राप्त कर लिए। दुकानदार इस असमंजस में थे की दुकान लगाएं या ना लगाएं। ऐसे में आशा की किरण क्षेत्रीय विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया की तरफ दिखाई पड़ी। सैकड़ो की संख्या में दुकानदार हीरागंज व्यापार मंडल अध्यक्ष विनोद यादव की अगुवाई में राजा भैया के दरबार में न्याय की गुहार लगाने पहुंच गए। राजा भैया ने प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता कर फुटकर पटाखा विक्रेताओं को राहत देने का अनुरोध किया। प्रशासन ने कलेक्टर तो नहीं चेंज किया, लेकिन दुकानदारों के साथ सख्ती नहीं करने का आश्वासन जरूर मिल गया है। इसकी जानकारी होते ही दुकानदारों ने राजा भैया जिंदाबाद के नारे लगाकर धन्यवाद दिया। लाइसेंस धारक अब आबादी से दूर खुले व सुरक्षित क्षेत्र में पूर्व निर्धारित शर्तों के साथ अपनी–अपनी दुकानें लगा सकेंगे। राजा भैया को इसीलिए तो गरीबों को मसीहा कहा जाता है। हीरागंज व्यापार मंडल अध्यक्ष विनोद यादव के प्रति भी दुकानदारों ने आभार व्यक्त किया है। हीरागंज क्षेत्र के लाइसेंस धारक जगापुर के मैदान में दुकान लगाएंगे।

बंद कोचिंग के अंदर मिला टीचर का शव

आगरा। ताज नगरी में कोचिंग के अंदर गणित के टीचर का शव मिला। शव कई दिन पुराना लग रहा है। टीचर की पहचान ओपी यादव के रूप में हुई है। वह शिवालिक स्कूल में गणित के शिक्षक थे और आवास विकास चौकी क्षेत्र के बीएस प्लाजा स्थित सेमी बेसमेंट में कोचिंग चलाते थे। मंगलवार से कोचिंग बंद थी और ओपी यादव स्कूल भी नहीं पहुंचे थे। घटना जगदीशपुरा थाना क्षेत्र की है। शिक्षक ओपी यादव आवास विकास सेक्टर–3 स्थित बीएस प्लाजा के भूतल (ग्राउंड फ्लोर) पर छात्रों को गणित की ट्यूशन पढ़ाते थे। सोमवार के बाद से ही उनका मोबाइल फोन लगातार बंद आ रहा था। मंगलवार को जब छात्र पढ़ाई के लिए पहुंचे, तो कोचिंग सेंटर पर ताला लगा मिला। शुक्रवार सुबह जब मार्केट के अन्य दुकानदारों और स्थानीय लोगों को कोचिंग सेंटर के भीतर से तेज दुर्गंध महसूस हुई, तो पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। अनहोनी की शंका होते ही लोगों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही जगदीशपुरा थाना पुलिस की टीम तुरंत बीएस प्लाजा पहुंची और कोचिंग सेंटर का दरवाजा खोलकर जांच शुरू की। अंदर शव काफी हद तक क्षत–विक्षत हालत में मिला, जिससे कई दिनों पुराना होने की आशंका है। डीसीपी सिटी रविंद्र कुमार भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिस प्राथमिक तौर पर इसे लापता शिक्षक ओपी यादव का शव होने की आशंका मान रही है। परिजनों को सूचित कर दिया गया है। वो कानपुर देहात के रहने वाले हैं। उनके आने के बाद ही आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी। ये सुसाइड है या कुछ और इसके बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता।

बेंती में श्री रामकथा को लेकर प्रशासन अलर्ट, आईजी ने किया स्थलीय निरीक्षण

आईजी अजय कुमार मिश्रा ने सुरक्षा की दृष्टि से मातहतों को दिया आवश्यक निर्देश



कुंडा–प्रतापगढ़। बेंती में कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया संयोजकत्व में आयोजित होने वाली बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री श्रीराम कथा को लेकर प्रशासन अलर्ट हो गया है। पुलिस प्रशासन ने अपनी कार्य योजना की तैयारियां तेज कर दी हैं। कार्यक्रम की सुरक्षा और कानून–व्यवस्था का जायजा लेने के लिए पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र अजय कुमार मिश्रा ने शनिवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर और अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनंदन राय भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर श्रद्धालुओं के आवागमन, पार्किंग, प्रवेश और निकास मार्गों सहित सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। आईजी ने निर्देश दिया कि कार्यक्रम में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था में विशेष सतर्कता बरती जाए। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराएं। बता दें कि बेंती में 17 से 20 नवंबर चार दिवसीय कथा का आयोजन होना है

पुलिस ने 165 किलो अवैध पटाखे पकड़े,एक गिरफ्तार



आगरा। दीवाली से पहले आवासीय इलाके में अवैध आतिशबाजी के भंडारण और बिक्री पर छत्ता पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सिंधी गली स्थित एक मकान से करीब 165 किलो अवैध पटाखे बरामद किए हैं। बरामद पटाखों की कीमत करीब 1 लाख 70 हजार रुपये बताई जा रही है। मौके से एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस कमिश्नर के आदेश और डीसीपी नगर के निर्देशन में त्योहारों को देखते हुए अवैध आतिशबाजी के निर्माण, भंडारण और बिना लाइसेंस बिक्री करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को एसीपी छत्ता के पर्यवेक्षण में थाना छत्ता पुलिस टीम क्षेत्र में पैदल गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सिंधी गली स्थित एक मकान में अवैध आतिशबाजी का भंडारण किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा। मकान की तलाशी में छोटे–बड़े करीब 165 किलो पटाखे बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक, आवासीय क्षेत्र में पटाखे रखकर लोगों की जान को खतरे में डाला जा रहा था। मौके से आरोपी सक्षम गुप्ता पुत्र स्व. दीप कुमार गुप्ता निवासी कायस्थ गली, सिंधी गली थाना छत्ता को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना छत्ता में मुकदमा अपराध संख्या 159/2026, धारा 288 बीएनएस व धारा 5ध्9बी विस्फोटक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि त्योहारों के दौरान अवैध आतिशबाजी के भंडारण और बिक्री पर सख्त नजर रखी जा रही है। बिना लाइसेंस पटाखे बेचने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

दो महिलाओं के फरार होने की शिकायत, एक ने कोर्ट मैरिज के तीन महीने बाद छोड़ा पति, दूसरी बच्चों को लेकर गायब



हरदोई। जिले में अलग–अलग थाना क्षेत्रों से दो महिलाओं के अपने पतियों को छोड़कर दूसरे युवकों के साथ चले जाने के मामले सामने आए हैं। एक मामले में युवक का आरोप है कि उसकी पत्नी कोर्ट मैरिज के करीब तीन महीने बाद दूसरे युवक के साथ चली गई। वहीं, दूसरे मामले में पति ने आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी दो बच्चों को लेकर अपने रिश्तेदार के साथ चली गई। दोनों मामलों में पुलिस ने शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहला मामला टड़ियावां थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां के एक युवक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका एक युवती के साथ प्रेम–प्रसंग था। दोनों ने 16 जुलाई 2026 को कोर्ट मैरिज कर ली थी। इसके बाद वे हरियाणा के पानीपत में पति–पत्नी की तरह रहने लगे। युवक के मुताबिक, उसकी पत्नी कुछ समय पहले अपने मायके आई थी। आरोप है कि इसी दौरान वह अशोक पुत्र हरिनंदन निवासी शेखपुर जरौली के साथ चली गई। पति ने आरोप लगाया कि अशोक उसकी पत्नी को बहला–फुसलाकर दिल्ली के बेगमपुरा ले गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने पत्नी और अशोक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरा मामला पाली थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां रहने वाले युवक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी करीब 12 साल पहले हुई थी और उसके दो बच्चे हैं। पति का आरोप है कि उसकी पत्नी 30 अक्टूबर को दोनों बच्चों को लेकर उत्तराखंड के देहरादून जिले के डोईवाला थाना क्षेत्र स्थित राजीव नगर निवासी हरि पुत्र कल्याण सिंह के साथ चली गई। शिकायतकर्ता के मुताबिक, हरि उसकी पत्नी का रिश्तेदार है और दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत होती रहती थी। युवक ने आरोप लगाया कि जब वह मजदूरी करने गया था, उसी दौरान हरि शादी करने की नीयत से उसकी पत्नी को बहला–फुसलाकर ले गया। दोनों बच्चे भी उसके साथ हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नहर में गिरी कार, दंपती और तीन माह के मासूम की मौत

हरदोई। जिले के बिलग्राम थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। गुड़गांव से हरदोई लौट रही कार जफरपुर पुलिया के पास अनियंत्रित होकर गहरी नहर में जा गिरी। हादसे में दंपती और उनके तीन माह के मासूम बच्चे की मौत हो गई, जबकि कार में सवार एक युवक सुरक्षित बच गया। जानकारी के मुताबिक, कार संख्या यूपी 32 जेपी 3118 में सवार लोग गुड़गांव से हरदोई के चांद बेहटा जा रहे थे। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे शाहपुर मोड़ से आगे जफरपुर पुलिया के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई और गहरी नहर में समा गई। सुबह करीब चार बजे डायल 112 पर हादसे की सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही उपनिरीक्षक अजय कुमार चौधरी कांस्टेबल जिगर मोहम्मद और रोहित सिंह के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार सवार सभी लोगों को नहर से बाहर निकलवाया। इसके बाद उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल कन्नौज भेजा गया। हादसे में आदित्य सिंह (28) पुत्र रामनरेश सिंह सुरक्षित बच गए। वहीं रमेश (35), उनकी पत्नी नीलम (32) और उनके तीन माह के बच्चे की मौत हो गई। बताया गया कि सभी मूल रूप से ग्राम सर्रा, थाना सुरसा के निवासी थे। फिलहाल परिवार चांद बेहटा, कोतवाली शहर क्षेत्र में रह रहा था। हादसे के बाद कार अभी भी गहरी नहर में फंसी हुई है। मृतकों के परिजन जिला अस्पताल कन्नौज में मौजूद हैं। पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई कर रही है।



प्राइम युवा लहर
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

स्वामी, प्रकाशक एवं सम्पादक साबिर अली, द्वारा मुद्रक 95/9, चन्द्रेश्वर कम्पाउन्ड परेड, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश 208001 से मुद्रित एवं हाउस नं0 453/456, गली नं0 9, फरीदीपुर, दुबग्गा, लखनऊ उत्तर प्रदेश 226003 से प्रकाशित।

सम्पादक
साबिर अली
मो0 : 8564845546

P.R.G.I.No.UPHIN/26/A9036

समस्त विवादों का न्यायालय क्षेत्र लखनऊ होगा